राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 247 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,04 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने लगवाया कोरोना का टीका

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कोरोना के दूसरे चरण के टीकाकरण अभियान के तहत बुधवार को टीका लगवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री कोविंद ने दिल्ली के रिसर्च एवं रेफरल अस्पताल में कोरोना वैक्सीन ली। राष्ट्रपति की पत्नी सविता कोविंद भी उनके साथ अस्पताल पहुंची थीं।

श्रीनगर में सेना के अधिकारी ने की आत्महत्या

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के बाहरी इलाके में सेना के एक अधिकारी ने अपने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर के बाहरी इलाके खोहमोह में स्थित सैन्य शिविर में अधिकारी के खुद को गोली मारने के बाद हड़कंप मच गया।

सांसद के बेटे ने खुद साले से मरवाई थी गोली

लखनऊ। भाजपा सांसद कौशल किशोर के बेटे पर हुए हमले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। पुलिस ने दावा किया है कि इस हमले के पीछे खुद आयुष की साजिश थी। मोहनलालगंज निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा सांसद के बेटे आयुष (30) को बुधवार तड़के करीब 2.30 बजे मड़ियांव इलाके में गोली मार दी गई थी।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता बुधवार को उच्च सतह वाली हवाओं के कारण मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। हालांकि, गुरुवार को वायु की गुणवत्ता में गिरावट आएगी। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 186 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। 0-50 की सीमा के भीतर एक्यूआई को अच्छा माना जाता है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले शशिकला ने राजनीति छोड़ी

चेन्नई। तमिलनाडु चुनाव से पहले वीके शशिकला ने राजनीति छोड़ने का एलान किया है। तमिलनाडु में छह अप्रैल को विधानसभा की सभी सीटों पर वोट डाले जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें की एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके सत्ता में नहीं आए। पार्टी से निष्कासित शशिकला आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में चार वर्ष की कैद की सजा पूरी करके लौटी हैं।

फारूख अब्दुल्ला मामले पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

सरकारों की राय से अलग विचार रखना देशद्रोह नहीं

- फारूख अब्दुल्ला के खिलाफ मुकदमा नहीं
- सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका
- किसी असंतोष को देशद्रोह नहीं कह सकते

हम इस बात से आश्वस्त नहीं है कि इस मामले में सरकार को राजद्रोह का मुकदमा दर्ज करने के लिए कहे। इस बयान में चीन या पाकिस्तान से मदद मांगने की बात नहीं कही गई है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला को बुधवार को बड़ी राहत दी। अनुच्छेद 370 हटाए जाने पर दिए गए बयान के लिए फारुख अब्दुल्ला के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाए जाने की मांग वाली जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति को देशद्रोह नहीं कहा जा सकता है। फारुख अब्दुल्ला के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा नहीं चलाया जाएगा।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने क्या कहा: सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार की राय से अलग विचार रखना देशद्रोह नहीं कहा जा सकता। जस्टिस हेमंत गुप्ता और संजय किशन कौल की बेंच ने कहा कि किसी के असंतोष को देशद्रोह नहीं कह सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं पर लगाया जुर्माना: सुप्रीम कोर्ट ने यह बात रजत शर्मा और अन्य याचिकाकर्ताओं की याचिका पर कही। सुप्रीम कोर्ट ने फारुख अब्दुल्ला के खिलाफ दायर की गई याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ताओं पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

अबदुल्ला के बयान का दिया हवाला: गौरतलब है कि याचिका में फारुख अब्दुल्ला के एक बयान का हवाला देते हुए उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, फारुख अब्दुल्ला ने भारत के खिलाफ अनुच्छेद 370 पर चीन की मदद मांगी थी।

याचिका में ये की गई थी ये मांग: याचिका में कहा गया कि फारुख अब्दुल्ला ने जो किया वह देश के हित के खिलाफ गंभीर अपराध है इसलिए उन्हें संसद से हटाया जाए। इसके अलावा याचिका में ये भी कहा गया कि फारुख अब्दुल्ला का बयान देश विरोधी है। कोर्ट केंद्र सरकार को निर्देश दे कि फारुख अब्दुल्ला को संसद के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित किया जाए और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

5 अगस्त 2019 को हुए थे नजरबंद: 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार ने फारुख अब्दुल्ला को उनके घर में ही नजरबंद कर दिया था। फारुख अब्दुल्ला 13 मार्च 2020 तक घर में ही कैद रहे थे। उनके बेटे उमर अब्दुल्ला समेत नेशनल कॉन्फ्रेंस के दूसरे नेताओं को भी नजरबंद किया गया था।

अब्दुल्ला ने किया था इस फैसले का विरोध

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाला अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी कर दिया था, जिसका देश की कई राजनीतिक पार्टियों ने विरोध किया था। इसी को लेकर फारूक अब्दुल्ला के एक बयान के विरोध में जनहित याचिका दायर कर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की गई थी।

एमसीडी उपचुनावों में आप का जलवा

भाजपा का सूपड़ा साफ, कांग्रेस को संजीवनी

आप के खाते में 4, कांग्रेस को एक सीट पर जीत

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पांच वार्डों के हुए उप चुनावों में चार पर जीत हासिल करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सूपड़ा साफ कर दिया है। एक वार्ड में कांग्रेस के उम्मीदवार ने जीत हासिल की। भाजपा का इन उप चुनावों में खाता भी नहीं खुल सका। जिन पांच वार्डों में उप चुनाव कराये गये उनमें से चार पर आप का पहले से ही कब्जा था जबकि एक वार्ड पर भाजपा काबिज थी।

28 फरवरी को मतदान कराया गया

एमसीडी के पांच वार्डों में 28 फरवरी को मतदान कराया गया था। इन उप चुनावों के नतीजे आज घोषित किये गये। आप ने कृयाणपुरी, रोहिणी-सी, त्रिलोकपुरी और शालीमार बाग (उत्तर) वार्ड में जीत दर्ज की। आप के उम्मीदवार धीरेन्द्र कुमार ने कृयाणपुरी वार्ड में 7043 मतों से जीत हासिल की। आप प्रत्याशी राम चन्दर ने रोहिणी सी वार्ड में भाजपा उम्मीदवार राकेश गोयल को 2985 मतों से मात दी।

त्रिलोकपुरी वार्ड पर आप का परचम

आप उम्मीदवार विजय कुमार ने त्रिलोकपुरी वार्ड पर भाजपा के उम्मीदवार ओम प्रकाश को 4986 मतों से पराजित किया। आप प्रत्याशी सुनीता मिश्रा ने

शालीमार बाग (उत्तर) वार्ड से भाजपा उम्मीदवार सुरभि जाजू को 2705 मतों से हराया। कांग्रेस उम्मीदवार चौधरी जुबेर अहमद ने चौहान बांगर वार्ड पर आप उम्मीदवार मोहम्मद इशराक खान को 10642 मतों से पटखनी दी।

केजरीवाल ने कहा-काम को वोट मिला

आप के इस शानदार प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी के लोगों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि नतीजे बताते हैं कि लोगों ने दिल्ली सरकार के कामों पर भरोसा जताया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता को बधाई, आपको बधाई। ये परिणाम दिखाते हैं कि एक बार फिर आप की दिल्ली सरकार के कामों पर भरोसा जताया और अच्छे काम पर मोहर लगाई।

तापसी, अनुराग व विकास के ठिकानों पर आयकर का छापा

- मुंबई और पुणे में लगभग 20 स्थान खंगाले
- छापेमारी पर भड़के अघाड़ी सरकार के मंत्री

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। मायानगरी मुंबई से बड़ी खबर है। आयकर विभाग की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में फिल्म मेकर अनुराग कश्यप, विकास बहल और फिल्म अभिनेत्री तापसी पन्नू के घरों पर रेड मारी है। आयकर की टीमों ने अनुराग कश्यप की कंपनी फैंटम के 4 ठिकानों पर रेड की है। इसके अलावा मधु मंटेना के घर और दफ्तर पर भी इनकम टैक्स का छापा पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि आयकर विभाग ने बुधवार को बॉलीवुड अभिनेता तापसी पन्नू, निर्देशक अनुराग कश्यप व कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि रेड टैक्स चोरी से जुड़ी जांच का हिस्सा है। आयकर विभाग द्वारा मुंबई और पुणे में लगभग 20 स्थानों पर रेड मारी गई। फिल्म अभिनेत्री तापसी पन्नू और निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप पर आयकर विभाग की छापेमारी के बाद महाराष्ट्र की सियासत फिर से गर्म हो चुकी है। महाविकास अघाड़ी सरकार के नेताओं और मंत्रियों ने अब मोदी सरकार पर इस मुद्दे के जरिये निशाना साधना शुरू किया है। ठाकरे सरकार के मंत्रियों और नेताओं का कहना है कि जो भी बीजेपी सरकार के खिलाफ आवाज उठाएगा। उसकी आवाज दबाने का काम केन्द्र सरकार करती है। उधर एनसीपी नेता और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने कहा है कि जो भी केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाएगा उसके खिलाफ मोदी सरकार ईडी,सीबीआई और इनकम टैक्स का इस्तेमाल करती है।

कर्नाटक कथित सेक्स टेप में खुलासा

बीएस येदियुरप्पा ने किया बहुत भ्रष्टाचार

- फोन पर महिला से बोले कर्नाटक के मंत्री
- मामले पर बवाल बढ़ता देख मंत्री का इस्तीफा

बेंगलुरु, 3 मार्च (एजेंसी)। सेक्स टेप केस में फंसने के बाद कर्नाटक के जलसंसाधन मंत्री रमेश जारकीहोली ने इस्तीफा दे दिया है। सेक्स टेप के सामने आने से मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और भारतीय जनता पार्टी को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इस टेप में मंत्री महिला से यह भी कहते हुए सुने जा सकते हैं कि 'येदियुरप्पा ने बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार किया है।' वहीं वह कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की तारीफ भी करते हैं।

कांग्रेस के नेता सिद्धारमैया 'अच्छे' थे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जारकीहोली इस टेप में महिला से कहते हैं कि कांग्रेस के नेता सिद्धारमैया 'अच्छे' थे। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार किया है। कभी कांग्रेस के नेता रहे जारकीहोली को यह कहते हुए भी सुना जा सकता है कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी मुख्यमंत्री बनेंगे।

डीके शिवकुमार ने येदियुरप्पा को घेरा

जारकीहोली का टेप सामने आने के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार ने येदियुरप्पा को घेरा और कहा कि उन्हें भ्रष्टाचारा के आरोपों पर जवाब देना चाहिए, जो वीडियो में जारकीहोली ने लगाए हैं। शिवकुमार ने कहा कि यह केवल एक सेक्स स्कैंडल नहीं है। मंत्री वीडियो में कहते हैं कि मुख्यमंत्री भ्रष्ट हैं। सीएम को इसका जवाब देना है। गेंद अब कोर्ट के पाले में है।

अज्ञात महिला के साथ अंतरंग

कथित सेक्स टेप में रमेश किसी अज्ञात महिला के साथ अंतरंग होते दिख रहे हैं। इन क्लिप को कन्नड़ समाचार चैनलों में प्रसारित किया गया था। सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कल्लाहल्ली ने मंगलवार को रमेश के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने नौकरी पाने की एक इच्छुक महिला का कथित रूप से यौन उत्पीड़न किया और इस बारे में कुछ भी बताने पर उसे और उसके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

आत्मनिर्भर भारत के लिए युवाओं में आत्मविश्वास जरूरी: मोदी

- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तारीफ की
- युवा भारत की जड़, मजबूत करना होगा

देश के युवाओं में आत्मविश्वास बहुत जरूरी है और यह तभी आता है जब युवा को अपनी शिक्षा, अपने ज्ञान और अपने स्किल पर पूरा भरोसा और विश्वास हो: नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए देश के युवाओं में आत्मविश्वास बहुत जरूरी है और यह तभी आता है जब युवा को अपनी शिक्षा, अपने ज्ञान और अपने स्किल पर पूरा भरोसा और विश्वास हो। मोदी ने बुधवार को शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित शिक्षा के क्षेत्र में बजट के क्रियान्वयन पर बेबिनार में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का ये मंथन ऐसे समय में हो रहा है जब देश अपने व्यक्तिगत, बौद्धिक, उद्यमी मानसिकता और प्रतिभा को दिशा देने वाले पूरे वातावरण को परिवर्तन करने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। इसे और गति देने के लिए आप सभी से बजट से पहले भी सुझाव लिए गए थे। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में भी देश के लाखों लोगों से विचार-विमर्श करने का सौभाग्य मिला था और अब इसके क्रियान्वयन के लिए हम सभी को साथ मिलकर चलना है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए देश के युवाओं में आत्मविश्वास उतना ही जरूरी है। आत्मविश्वास तभी आता है, जब युवा को अपनी शिक्षा, अपने ज्ञान, अपनी स्किल पर पूरा भरोसा हो और विश्वास हो। आत्मविश्वास तभी आता है, जब उसको एहसास होता है कि उसकी पढ़ाई, उसे अपना काम करने का अवसर दे रही है और जरूरी स्किल भी दे रही है। उन्होंने कहा कि हम नया आत्मनिर्भर भारत बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, इसी सोच के साथ बनाई गई है। प्री-नर्सरी से पीएचडी तक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हर प्रावधान को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने के लिए अब हमें तेजी से काम करना है।

हाथरस हत्याकांड

गौरव शर्मा पर 1 लाख का इनाम

- एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी
- पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

हाथरस, 3 मार्च (एजेंसी)। हाथरस के सासनी थाना क्षेत्र के नौजरपुर गांव में एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी का नाम गौरव शर्मा है जिसे 2018 में छेड़खानी के आरोप में जेल हुई थी और वह जमानत पर बाहर घूम रहा था। आरोपी और छेड़खानी की पीड़िता के किसान पिता के बीच सोमवार को बहस हुई जिसके बाद आरोपी ने शख्स को गोली मार दी। अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। 16 जुलाई 2018 को आरोपी गौरव के खिलाफ घर में घुसकर छेड़खानी करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी 15 दिन जेल में रहा था, तब से वह रंजिश मानता चला आ रहा है। गौरव मामले में फैसला करने का दबाव बना रहा था। वहीं यूपी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने फरार चल रहे 25-25 हजार के दो इनामी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों की पहचान रोहिताश शर्मा और निखिल शर्मा के तौर पर की गई है। वहीं ललित शर्मा नाम के एक आरोपित को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। आगरा एडीजी जॉन राजीव कृष्ण ने बुधवार को ही रोहिताश और निखिल पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

टूलकिट मामला

गोवा के पर्यावरण कार्यकर्ता सुभम को ट्रांजिट जमानत

बॉम्बे हाई कोर्ट से राहत

पणजी, 3 मार्च (एजेंसियां)। गोवा में बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को पर्यावरण कार्यकर्ता सुभम कर चौधरी को ट्रांजिट जमानत दे दी। चौधरी ने जमानत याचिका में दावा किया है कि उन्हें ग्रेटा थनबर्ग टूलकिट मामले में झूठा फंसाया जा रहा है। मामले में बेंगलुरू स्थित जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता दिशा रवि को हाल ही में जमानत मिली है। चौधरी को जमानत देने के आदेश में, न्यायमूर्ति एम.एस. जावलकर ने कहा कि गिरफ्तारी से राहत के लिए आवेदक की ओर पेश तथ्य न्यायोचित हैं। न्यायाधीश ने चौधरी को 10 दिन की जमानत दी। वर्तमान में गोवा के रहने वाले चौधरी ने टूलकिट मामले की जांच के सिलसिले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तारी की आशंका व्यक्त की है।

सफलता | भारत बायोटैक ने जारी किए तीसरे चरण के परीक्षण के नतीजे

स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन 81 फीसदी तक प्रभावी

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल में 81 फीसदी प्रभावी साबित हुई है। भारत बायोटेक ने बुधवार को अपने कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन के तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल का नतीजा जारी कर दिया। भारत बायोटेक ने दावा किया गया है कि उसकी कोवाक्सिन 81 फीसदी प्रभावी है।

कंपनी ने कहा कि तीसरे चरण के ट्रायल में 25,800 सब्जेक्ट को शामिल किया गया था। भारत बायोटेक का दावा है कि आईसीएमआर (भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) के साथ किया गया ये ट्रायल भारत में अब तक के सबसे बड़े स्तर का क्लिनिकल ट्रायल है। बता दें कि एक मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी कोवाक्सिन की खुराक दी गई थी। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और उनके परिवार को कोवाक्सिन की ही वैक्सीन दी गई। बता दें देश में कोवाक्सिन के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष की ओर से काफी सवाल खड़े किए गए थे। देश में 16 जनवरी से टीकाकरण अभियान की शुरुआत हुई थी, जिसमें कि लाभार्थियों को कोवैक्सीन और ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका का कोविशील्ड वैक्सीन लगाए जा रहे हैं। ये दोनों स्वदेशी वैक्सीन हैं। इस समय देश में दोनों कंपनियों का कोरोना वैक्सीन लोगों को लगाए जा रहे हैं। ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के वैक्सीन का उत्पादन सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर रहा है। भारत बायोटेक की योजना 70 करोड़ डोज हर साल बनाने की है। 20 करोड़ डोज हैदराबाद में बनेंगे। 50 करोड़ अन्य शहरों में। भारत बायोटेक के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. कृष्णा एल्ला के मुताबिक, उनकी चार नई फेसिलिटी बन रही है। इसके लिए कोशिशें तेज कर दी हैं। जल्द ही हमारी उत्पादन क्षमता बढ़कर 70 करोड़ सालाना हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यह वैक्सीन लगवाई

2021 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 329 नामांकन, WHO का भी इस लिस्ट में नाम

कोपेनहेगन। नार्वे की नोबेल समिति ने बताया कि वर्ष 2021 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 329 नामांकन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 234 व्यक्ति और 95 संगठन हैं। नामांकन की अंतिम तिथि एक फरवरी थी। ओस्लो स्थित इस संगठन ने बताया कि नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की यह तीसरी सबसे बड़ी संख्या है। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित समूहों में कोरोना वायरस महामारी से निपटने में अपनी भूमिका के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन शामिल है।

इस पुरस्कार के लिए सबसे अधिक 376 नामांकन 2016 में प्राप्त हुए थे। इस पुरस्कार के लिए सरकारों के प्रमुख, राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत राजनीतिज्ञ, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, विदेश नीति संस्थानों के निदेशक, पूर्व नोबेल पुरस्कार विजेता और नार्वे की नोबेल समिति के सदस्य नामांकन दाखिल कर सकते हैं।हालांकि ओस्लो स्थित इस बेहद गोपनीयता बरतने वाले बोर्ड ने नामांकनों की घोषणा नहीं की है, लेकिन नामांकन करने वाले चाहे तो नामित और प्रस्तावक दोनों के नामों का एलान कर सकते हैं। बता दें कि नोबेल समिति अपने वार्षिक फैसले की घोषणा हर साल अक्टूबर में करती है। जबकि शांति और अन्य नोबेल पुरस्कार हर साल 10 दिसंबर को प्रदान किए जाते हैं।

एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि नोबेल शांति पुरस्कार 2021 के उम्मीदवारों में बेलारूस की निर्वासित विपक्षी नेता स्वेतलाना तिखनोस्कायाऔर दो अन्य बेलारूस लोकतंत्र कार्यकर्ता, वेरोनिका त्सेपल्को और मारिया कोलेनिकोवा शामिल हैं। इसके अलवा 'द ब्लैक लाइव्स मैटर' आंदोलन, रूसी विपक्षी नेता अलेक्सी नवलनी, व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार जेरेड कुश्नर और अब्राहम संधि के लिए पश्चिम एशिया के साथ सिलसिलेवार वार्ता करने वाले अवी बर्कोवित्ज शामिल हैं।

दरार आने के बाद अंटार्कटिका में विशाल आइसबर्ग टूटकर हुआ अलग, ग्रेटर लंदन की बराबर है साइज

लंदन। अंटार्कटिका के पास एक विशाल आइसबर्ग टूटकर अलग हो गया है। इसकी वजह इसमें आई विशाल दरार है। इसका आकार लगभग ग्रेटर लंदन की बराबर बताया गया है। ब्रिटिश अंटार्कटिका सर्वे रिसर्च सेंटर के पास अलग हुए इस विशाल हिमखंड का पता 16 फरवरी को एक हवाई सर्वे के दौरान चला था। ब्रिटिश अंटार्कटिका सर्वे रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर जेन फ्रांसिस का कहना है कि ये ब्रंट आइसशेल्फ के करीब आ रहा है। इस रिसर्च टीम के मुताबिक ये करीब 1270 वर्ग किमी बड़ा है।

इसकी मोटाई की बात करें तो ये करीब 150 मीटर है। वैज्ञानिक अंटार्कटिका पर होने वाली इस तरह की घटना को काल्विंग कहते हैं। इस रिसर्च टीम को एक दशक में पहली बार इस तरह की घटना यहां देखने को मिली है। इससे पहले यहां पर हिमखंड में दरार देखी गई थी। शुक्रवार से पहले जब इसका हवाई सर्वे किया गया था उस वक्त ये पूरी तरह से अलग नहीं हुआ था लेकिन अब ये पूरी तरह से अलग हो चुका है। ब्रिटिश हैली-6 रिसर्च स्टेशन इस पर लगातार निगाह रखे हुए है। इसके मुताबिक ये लगातार आगे की तरफ बढ़ रहा है। बीएएस डायरेक्टर का ये भी कहना है कि वो इसके लिए लगातार तैयारियां कर रहे थे।

अर्जेंटीना में मिला विशालकाय डायनासॉर समूह के एक सदस्य का जीवाश्म

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना में हुई खुदाई के दौरान डायनासॉर समूह के सदस्य का जीवाश्म मिला। वैज्ञानिकों ने इसकी पहचान टाइटैनोसॉर नामक डायनासॉर ग्रुप के सदस्य के तौर पर की है। इसमें पृथ्वी के इतिहास में जमीन पर पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवरों में से एक बताया। शोधकर्ताओं ने सोमवार को बताया कि प्राप्त जीवाश्म 140 मिलियन साल पहले क्रिटेसियस अवधि के दौरान मिला था। इसका नाम निनजाटाइटन जापाताइ बताया। उन्होंने निनजाटाइटन की पहचान टाइटैनोसॉर के तौर पर की। इस समूह में डायनॉसार लंबी गर्दन वाले होते थे जो शाकाहारी थे। इनके चार पैर खंभों की तरह होते थे। फिलहाल इस जीवाश्म का आधा हिस्सा ही मिला है। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह डायनासॉर पृथ्वी पर अब तक का सबसे बड़ा जीव है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ये डायनासॉर पृथ्वी पर 9.8 करोड़ साल पहले विचरण करता था। पैटागोनिया क्षेत्र दक्षिणी अमेरिका के सबसे दक्षिणी बिंदु पर स्थित है और यह कभी विशालकाय जीवों का घर हुआ करता था।

कोरोना दुनिया में: डब्ल्यूएसओ बोला- इस साल खत्म नहीं होने वाली महामारी; अफ्रीकी देशों में भी वैक्सीनेशन शुरू

जेनेवा। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने कहा है कि दुनिया को इस साल कोरोना से छुटकारा नहीं मिलेगा। डब्ल्यूएसओ इमरजेंसी डायरेक्टर माइकल रेयान ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा, यह सोचना गलत है कि इस साल दुनिया को कोरोना की लड़ाई में सफलता मिल जाएगी, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मौतों को कम कर के इस त्रासदी से बाहर निकला जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्तों में दुनियाभर में कोरोना के मामले बढ़े हैं। इससे हमें सबक लेने की जरूरत है।

वहीं, अफ्रीकी देशों में कोरोना के खिलाफ वैक्सीनेशन शुरू हो गया है। डब्ल्यूएसओ ने बताया कि पश्चिमी अफ्रीकी देश घाना और कोट-डिवॉय में लोगों को टीका लगाने की शुरुआत हो गई है। पिछले हफ्ते ही दोनों देशों में सीरम इंस्टीट्यूट ने एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन पहुंचाई है। घाना को 24 फरवरी को वैक्सीन की 6 लाख डोज और इसके

दो दिन बाद कोट-डिवॉय को 5.04 लाख डोज मिले थे। सभी देशों तक वैक्सीन पहुंचाने के अभियान कोवैक्स के तहत यहां वैक्सीन पहुंचाई गई है।

कोरोना के मामले बढ़ना चिंता का विषय : गेब्रेसिएस

डब्ल्यूएसओ चीफ ट्रेडोस गेब्रेसिएस ने कहा कि पिछले हफ्ते यूरोप, अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में कोरोना के मामले बढ़े हैं। ऐसा पिछले 7 हफ्तों में पहली बार देखा गया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही निराशाजनक है। इसकी एक बड़ी वजह कई देशों में सख्तियों में छूट हो सकती है। लोग लापरवाही बरत रहे हैं, जिससे कोरोना वैरिएंट तेजी से फैल रहा है।

कुल मरीज 11.49 करोड़ से ज्यादा

दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.49 करोड़ से ज्यादा हो गया। 9 करोड़ 6 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 25 लाख 49 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

नेपाल के आर्मी चीफ ने भारत में बनी वैक्सीन का पहला डोज लिया

नेपाल के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ पूर्ण चंद्र थापा ने सोमवार को भारत में बनी कोरोना वैक्सीन का पहला डोज लिया। पिछले महीने ही भारत की ओर से 10 लाख टीके की दूसरी खेप नेपाल भेजी गई थी। इस वैक्सीन को ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका ने डेवलप किया है। भारत में इसे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोवीशील्ड के नाम से बना रहा है। वैक्सीन मैत्री पहल के तहत भारत अपने पड़ोसी देशों को टीके उपलब्ध करा रहा है।

US को जून तक 10 करोड़ डोज मिलेंगे: अमेरिका में इमरजेंसी यूज का अप्रूवल पाने वाली तीसरी वैक्सीन जैनसेन के मार्च तक 2 करोड़ डोज मिल जाएंगे। इसे बनाने वाली कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन का कहना है कि यह संख्या जून तक 10 करोड़ की जाएगी। कंपनी के चीफ साइंटिफिक ऑफिसर डॉ. पॉल स्टोफेल्स ने कहा कि यह सिंगल शॉट वैक्सीन है। इस लिहाज से हमारी वैक्सीन के जरिए गर्मी तक 10 करोड़ अमेरिकियों को वैक्सीनेट किया जा सकेगा।

चीन के रास्ते पर म्यांमार आर्मी

लोकतंत्र समर्थकों को दबाने के लिए ड्रोन और स्पायवेयर का इस्तेमाल; 30 दिन में 25 प्रदर्शनकारी मारे गए

वॉशिंगटन/नेपिता। म्यांमार में लोकतांत्रिक सरकार के तख्तापलट को एक महीना हो चुका है। सेना के दमन के बावजूद लोकतंत्र बहाली की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी पीछे हटने तैयार नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक 25 लोग सेना की फायरिंग में मारे जा चुके हैं। म्यांमार की सेना आंदोलन को दबाने के लिए उस तकनीक का इस्तेमाल कर रही है जो उसने सरहदों को महफूज रखने के लिए हासिल की थी।

चीन की सेना ने हॉन्गकॉन्ग और शिनजियांग में लोकतंत्र समर्थकों की आवाज दबाने के लिए इन्ही जासूसी उपकरणों और घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था और अब भी कर रही है।

इजराइली ड्रोन और स्पायवेयर

म्यांमार मिलिट्री इजराइली सर्विलांस ड्रोन, यूरोपियन iPhone क्रेकिंग डिवाइस और अमेरिका में बने उन सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर रही है, जो

हैकिंग में काम आते हैं। इसके अलावा सैटेलाइट और टेलिकम्युनिकेशन अपग्रेडिंग के जरिए भी आंदोलन का दमन किया जा रहा है ताकि देश में जो कत्लेआम हो रहा है, वो दुनिया तक न पहुंच पाए। तकनीक के उपयोग के साथ ही सेना ने क्रूरता की तमाम हदें पार कर ली हैं।

चीन, सऊदी अरब और मैक्सिको भी यही करते आए हैं

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अवाम की बेहतरी और उनके दमन दोनों में किया जा सकता है। म्यांमार में फिलहाल यहां की सेना वही कर रही है जो चीन, सऊदी अरब या मैक्सिकों की सरकारें पहले से करती आई हैं। प्रदर्शनकारी दुनिया तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे थे। अब सेना इसका इस्तेमाल दमन के लिए कर रही है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने म्यांमार के दो साल के बजट डॉक्यूमेंट्स की जांच की। इससे लगता है कि आर्मी ने सबसे ज्यादा खर्च सर्विलांस टेक्नोलॉजी हासिल करने पर किया।

इजराइल ने 2018 में म्यांमार को सैन्य सामग्री बेचने पर रोक लगा दी थी। तब वहां सेना पर रोहिंग्या मुस्लिमों के नरसंहार के आरोप लग रहे थे। इसके बावजूद खतरनाक हथियार और सर्विलांस टेक्नोलॉजी यहां की सेना तक पहुंच गए। अब तक ये साफ नहीं हो पाया है कि ये सब किस रास्ते से म्यांमार पहुंचे।

मेडिकल इमरजेंसी: इंडिगो की फ्लाइट ने पाकिस्तान के कराची में लैंडिंग की

बीमार पैसेंजर को नहीं बचाया जा सका

कराची। मंगलवार तड़के शारजाह से लखनऊ आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट को मेडिकल इमरजेंसी की वजह से पाकिस्तान के कराची में लैंड करना पड़ा। फ्लाइट नंबर 6E 1412 का एक पैसेंजर गंभीर तौर पर बीमार हो गया था। हालांकि, कराची एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद मेडिकल टीम ने इसे मृत घोषित कर दिया।

इंडिगो ने बयान जारी किया

इंडिगो एयरलाइंस के हवाले से न्यूज एजेंसी ने बताया- शारजाह से लखनऊ आ रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट को मेडिकल इमरजेंसी के चलते पाकिस्तान के कराची की तरफ डायवर्ट करना पड़ा। हमें दुख की एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद भी इस पैसेंजर को बचाया नहीं जा सका।

पिछले महीने एयर एंबुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी

इससे पहले फरवरी में भारतीय एयर एंबुलेंस की भी इस्लामाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। इसकी वजह रीफ्यूलिंग बताई गई थी। एयर एंबुलेंस में ब्रिटिश मरीज था। उसके साथ एक डॉक्टर और दो नर्स भी थीं। वे सभी कोलकाता से ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे जा रहे थे। करीब दो घंटे बाद रिफ्यूलिंग कर विमान ने उड़ान भरी थी।

NASA के मिशन मंगल से जुड़े एक और भारतीय

पर्सीवरेंस रोवर कंट्रोल कर रहे भारतीय प्रोफेसर, लंदन में एक बेडरूम का फ्लैट किराए पर लेकर बनाया कंट्रोल सेंटर

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' के पर्सीवरेंस रोवर का नियंत्रण एक भारतीय मूल के प्रोफेसर संजीव गुप्ता के हाथ में है। वे भी नासा के बजाय दक्षिण लंदन में एक बेडरूम के फ्लैट से इसे कंट्रोल कर रहे हैं। इस रोवर ने बीती 19 फरवरी को मंगल के जजीरो क्रेटर पर सफलतापूर्वक लैंड किया है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज में जियोलॉजी के विशेषज्ञ 55 साल के प्रोफेसर गुप्ता पर्सीवरेंस से जुड़े 400 वैज्ञानिकों की टीम में शामिल हैं। वे रोवर को मंगल पर नमूने जुटाने को ड्रिलिंग के लिए निर्देशित कर रहे हैं। ये सभी सैंपल साल 2027 में पृथ्वी पर आएंगे। इसके बाद उसके लाए नमूनों को गुप्ता और उनकी टीम ही जांचेगी और मंगल पर जीवन की संभावना तलाशेगी।

प्रोफेसर गुप्ता कहते हैं 'मुझे कैलिफोर्निया के जेट प्रोपल्शन लैब में होना चाहिए था, जो इस कमरे से तीन गुना ज्यादा बड़ा है। वहां सैकड़ों वैज्ञानिक और इंजीनियर भी मौजूद रहते। लेकिन कोरोना की पाबंदियों के कारण ऐसा नहीं हो सका। जब मुझे लगा कि मैं कैलिफोर्निया नहीं जा पाऊंगा तो मैंने ल्यूशाम (लंदन) में ये फ्लैट किराए पर लेना तय किया। मैं नहीं चाहता था कि मेरी वजह से पत्नी और बच्चे परेशान हों।' गुप्ता इन दिनों लगातार काम कर रहे हैं। क्योंकि मंगल पर दिन, पृथ्वी की तुलना में 40 मिनट ज्यादा लंबा होता है। इसके अलावा उनके साथी भी अलग-अलग जगहों पर हैं। वहां का टाइम जोन अलग है। सब से सामंजस्य बनाने के लिए उन्हें हर वक्त ऑनलाइन रहना पड़ता है।

यह सिलसिला शायद अब अगले छह सालों तक या उससे लंबा भी चल सकता है। क्योंकि उस समय तक रोवर पृथ्वी पर लौटेगा। बता दें गुप्ता का जन्म आगरा में हुआ था। जब वे 5 साल के थे तब परिवार के साथ ब्रिटेन चले गए। उनके पिता रिसर्च साइंटिस्ट थे और चाहते थे कि गुप्ता मेडिसिन और इंजीनियरिंग

की पढ़ाई करें। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पीएचडी की है।

5 कम्प्यूटर, दो बड़ी स्क्रीन लगाई, जिससे नासा के वैज्ञानिकों से जुड़े रहें

प्रोफेसर गुप्ता ने फ्लैट किराए पर लेने के बाद इसे मिनी कंट्रोल सेंटर में तब्दील किया। 5 कम्प्यूटर लगाए और नासा के साइंटिस्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ने के लिए दो बड़ी स्क्रीन भी सेटअप कीं। इस कंट्रोल सेंटर के जरिए गुप्ता रोवर पर लगातार नजर रख रहे हैं। साथ ही यह भी तय कर रहे हैं कि कहां से सैंपल जुटाना है।

पाक पीएम की पत्नी बुशरा बीबी ने शेल्टर होम का दौरा किया; बोलीं- हर कामयाब आदमी के पीछे उसकी पत्नी का हाथ

इस्लामाबाद। इमरान खान का पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बने दो साल से ज्यादा हो चुके हैं। इस दौरान उनकी तीसरी पत्नी सिर्फ दूसरी बार सार्वजनिक तौर पर नजर आईं। लाहौर में एक दरगाह पर जियारत के लिए पहुंची। इसके बाद गरीबों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मीडिया ने उनसे पूछा- इमरान खान के कार्यकाल के बारे में क्या कहेंगी? बुशरा का जवाब मीडिया को लाजवाब कर गया। उन्होंने कहा- हर कामयाब आदमी के पीछे उसकी पत्नी का हाथ होता है। क्या मेरी बात सच नहीं है। और अगर ये सच नहीं तो फिर क्या है?

फ्रेंड्स के साथ दिखीं बुशरा: बुशरा बीबी सोमवार को लाहौर की हजरत दातागंज बख्श दरगाह पहुंचीं। इसके बाद यहां से कुछ दूरी पर मौजूद पनाहगाह का जायजा लिया। बुशरा की सबसे करीबी दोस्त फरहत शहजादी भी साथ थीं। बुर्कानशीं बुशरा के हाथ में बड़ी सी माला और अंगूठी दिखाई दे रही थी। उन्होंने शेल्टर होम में रहे रहे लोगों से बातचीत की। उनकी तकलीफें सुनीं और इसके बाद अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

चलते-चलते मीडिया से बातचीत: शेल्टर होम में कुछ वक्त गुजारने के बाद बुशरा यहां से निकलीं तो एक लोकल रिपोर्टर ने पूछा- वजीर-ए-आजम इमरान खान की कामयाबी का क्या राज मानती हैं? इमरान की शरीक-ए-हयात यानी पत्नी का जवाब था- हर कामयाब शख्स के पीछे उसकी पत्नी का हाथ होता है। क्या मैं गलत बोल रही हूं? अगर ये सच नहीं है तो फिर सच क्या है? बुशरा ने कहा- मेरे शौहर की सरकार ने उन लोगों को छत मुहैया कराई है जो अब तक खुले आसमान में रह रहे थे। यह उनका हक है।

कौन हैं बुशरा बीबी

इमरान की तीसरी पत्नी हैं। इमरान ने सबसे पहले ब्रिटिश मूल की जेमिमा गोल्डस्मिथ से शादी की थी। ये शादी 1995 से 2004 तक चली। इस शादी से उनके दो बेटे हैं। दूसरी पत्नी का नाम रेहम खान था। रेहम-इमरान की शादी (2015) सिर्फ 10 महीने ही चल सकी। रेहम BBC में एंकर थीं। तीन साल पहले इमरान (तब वे 65 साल के थे) ने बुशरा मेनका से शादी की। इमरान उन्हें अपना अध्यात्मिक गुरू भी मानते हैं। बुशरा के पहली शादी से बच्चे हैं।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति को जेल: निकोलस सरकोजी को 3 साल की सजा, जज से इलेक्शन कैंपेन केस में जानकारी मांगी और बदले में बड़ी पोस्ट ऑफर की थी

वाशिंगटन। फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी और उनके दो सहयोगियों को भ्रष्टाचार के मामले में तीन साल की सजा हुई है। सरकोजी पर जज को रिश्वत देने का आरोप है। हालांकि, तीन साल की सजा में से दो साल की सजा सस्पेंड रहेगी। ऐसे में उन्हें एक साल ही जेल में गुजारने होंगे। पिछले साल के अंत में 10 दिनों तक इस मामले की सुनवाई चली थी। उन पर भ्रष्टाचार और पद के दुरूपयोग के आरोप हैं।

सरकोजी के वकील और उनके पुराने दोस्त थिएरी हरजोग और रिटायर्ड मजिस्ट्रेट गिलबर्ट एजिबर्ट ने भी खुद पर लगे आरोपों को खारिज किया है। इन्हें भी तीन साल की सजा सुनाई गई

है। सरकोजी 2012 में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ब्लैक मनी के इस्तेमाल के आरोप में 13 अन्य लोगों के साथ इस महीने एक और केस का सामना करेंगे।

2007 से 12 के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति थे

निकोलस सरकोजी 2007 से 12 के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति थे। 66 साल के सरकोजी पर आरोप लगा था कि उन्होंने 2014 में एक सीनियर मजिस्ट्रेट से जानकारी के बदले रिश्वत देने की कोशिश की थी। दरअसल, सरकोजी के खिलाफ इलेक्शन कैंपेन में नियम से ज्यादा पैसा खर्च करने का आरोप था। उन्होंने इस मामले की सुनवाई कर रहे जज से कुछ जानकारी मांगी थी और इसके एवज में उन्हें बड़ी पोस्ट का ऑफर दिया था।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी और उनके दो सहयोगियों को भ्रष्टाचार के मामले में तीन साल की सजा हुई है। सरकोजी पर जज को रिश्वत देने का आरोप है। हालांकि, तीन साल की सजा में से दो साल की सजा सस्पेंड रहेगी।

दूसरे पूर्व राष्ट्रपति को मिली सजा: सरकोजी फ्रांस के दूसरे राष्ट्रपति हैं जिन्हें भ्रष्टाचार के मामले में सजा मिली है। इससे पहले 2011 में पूर्व राष्ट्रपति जाक चिरक को भ्रष्टाचार के एक मामले में दो साल की सजा हुई थी। हालांकि, चिरक जिस समय पेरिस के मेयर थे, तब उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे।

सरकोजी की पर्सनल लाइफ भी रही विवादित

सरकोजी अपनी लाइफ स्टाइल की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहे। साल 2007 में सरकोजी फ्रांस के राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने दो शादियां की थीं और उनकी पहली शादी 23 सितंबर 1982 को मैरी डॉमनिक कूलियोली से हुई थी। 1996 में दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद सरकोजी की मुलाकात एक पूर्व मॉडल और पब्लिक रिलेशंस एग्जिक्यूटिव रहीं सेसलिया सिग्नार से हुई। सेसलिया ने साल 1988 में सरकोजी से शादी करने के लिए अपने पति को छोड़ दिया।

साल 1996 में सरकोजी ने पहली शादी से तलाक के बाद सेसलिया से शादी कर ली। 23 अप्रैल 1997 को सरकोजी और सेसलिया एक बेटे लुईस के माता-पिता बने। नवंबर 2007 को जब सरकोजी और कार्ला ब्रूनी की मुलाकात हुई थी तो उस समय पूर्व राष्ट्रपति की उम्र 50 साल तो कार्ला ब्रूनी की उम्र 39 साल थी। 11 साल उम्र में बड़े सरकोजी से कार्ला ब्रूनी ने 2 फरवरी 2008 को शादी कर ली थी। ब्रूनी और सरकोजी की शादी आधिकारिक राष्ट्रपति निवास एलेसी पैलेस में हुई थी। ब्रूनी इटैलीयन मूल की हैं और मॉडल होने के अलावा फ्रेंच सिंगर और सॉन्ग राइटर भी रही हैं।

सशस्त्र सीमा बल को मानक बदलने के निर्देश नहीं दे सकते - कोर्ट

नई दिल्ली। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की नौकरी से बर्खास्त किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनमोहन व न्यायमूर्ति आशा मेनन की पीठ ने कहा कि सशस्त्र सीमा बल एक विशिष्ट केंद्रीय बल है और इसके प्रशिक्षण के मानकों को हल्का करने का केंद्र सरकार को निर्देश नहीं दिया जा सकता। पीठ ने कहा कि अगर प्रशिक्षण के लिए निर्धारित दो वर्ष पूरे होने के बाद भी एक और मौका देने की याचिकाकर्ता रवि रंजन कुमार की दलील को मान लिया गया, तो इससे भविष्य में भर्ती होने वाले जवानों के प्रशिक्षण में लंबा समय लगेगा। नतीजतन, केंद्र सरकार युद्ध के लिए लंबे समय तक सक्षम सैनिकों की तैनाती नहीं कर सकेगी और सशस्त्र सीमा बल जैसे केंद्रीय बलों के गठन का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकेगा। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से अपनाई गई प्रक्रिया में कोई अवैधता नहीं है, क्योंकि याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने से पहले उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के आदेश को बरकरार रखते हुए याचिका को खारिज किया जाता है। पीठ ने सुनवाई के दौरान 25 जुलाई, 2017 को जारी किए नियुक्ति पत्र की शर्तों को भी रिकार्ड पर लिया, जिनमें स्पष्ट किया गया था कि सशस्त्र सीमा बल के मूल भर्ती प्रशिक्षण कोर्स को दो वर्ष में पूरा करना होगा और दो से अधिक मौके नहीं दिए जाएंगे। याचिकाकर्ता रवि रंजन कुमार ने उन्हें बर्खास्त करने के 17 फरवरी, 2020 के कार्यालय आदेश को चुनौती दी थी। उन्होंने दलील दी थी अस्वस्थ होने के कारण वे दो वर्ष में प्रशिक्षण पूरा नहीं कर सके। उन्होंने मांग की थी कि केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि स्वास्थ्य ठीक होने के बाद उन्हें प्रशिक्षण पूरा करने का मौका दे।

चौहान बांगर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी जुबैर जीते, आप प्रत्याशी को दी शिकस्त

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के चौहान बांगर वार्ड में उपचुनाव पार्षद का था। इस सीट पर स्थानीय मुद्दे गायब थे। इस वार्ड में दिल्ली दंगा व निज़ामुद्दीन स्थित तब्लीगी मरकज का मुद्दा छाया हुआ था।

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली नगर निगम की पांच सीटों पर हुए उपचुनाव में चौहान बांगर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी जुबैर तकरीबन चुनाव जीत चुके हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आप उम्मीदवार हाजी इशराक खान को 10660 से हराया है। बता दें कि चौहान बांगर सीट पर स्थानीय मुद्दों के आधार पर चुनाव नहीं हुए थे। यहां दिल्ली दंगा व तब्लीगी जमाती मुद्दा थे। कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी जुबैर शुरुआती से ही आगे चल रहे थे।

उन्होंने आप उम्मीदवार हाजी इशराक खान पर लगातार बढ़त बनाए रखी। गौरतलब है कि चौहान बांगर सीट पर आप नेता अब्दुल रहमान पार्षद थे। 2020 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह विधायक का चुनाव लड़े थे और जीत गए थे। तभी से यह सीट पार्षद के लिए खाली थी। मौजूदा नतीजों को देखते हुए यह सीट कांग्रेस जीत तय लग रही थी।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के चौहान बांगर वार्ड में उपचुनाव पार्षद का था। इस सीट पर स्थानीय मुद्दे गायब थे। इस वार्ड में दिल्ली दंगा व निज़ामुद्दीन स्थित तब्लीगी मरकज का मुद्दा छाया हुआ था। 22 फरवरी 2020 को सीएए के विरोध में चौहान बांगर से कुछ मीटर की दूरी पर जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के नीचे पिंजरा तोड़ संगठन के सदस्यों व महिलाओं ने रोड जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

अगले दिन 23 फरवरी को जाफराबाद रोड पर दंगे शुरू हो गए थे, इसके बाद पूरे जिले में दंगे शुरू हो गए थे। इस दंगे में 53 लोगों की मौत हुई थी। इस दंगे से चौहान बांगर भी प्रभावित हुआ था। वही कोरोना काल में निज़ामुद्दीन स्थित तब्लीगी मरकज को सील कर दिया था, आरोप था जमातियों ने कोरोना को फैलाया। यहां पर बता दें कि इसी रविवार 28 फरवरी को दिल्ली की पांच नगर निगम सीटों उपचुनाव हुआ था।

बाहरी दिल्ली से जीते रामचंद्र तो पूर्वी दिल्ली में हार गए सिया राम

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के पांच वार्ड पर हुए उपचुनाव के नतीजों ने जहां आम आदमी पार्टी को दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 के लिए संजीवनी दी है तो भाजपा सभी सीटों पर शिकस्त पाकर सदमे जैसी स्थिति में है। वहीं, कांग्रेस ने चौधरी बांगर वार्ड सीट जीतकर चौंकाने वाले नतीजे दिए हैं। इस बीच दिल्ली नगर निगम उपचुनाव की पांचों सीटों के नतीजों पर गौर करें तो कई हैरान करने वाली बातें सामने आई हैं। एक तरफ बाहरी दिल्ली के वार्ड से रामचंद्र नाम के प्रत्याशी जीत गए हैं, तो वहीं पूर्वी दिल्ली सीट से सियाराम हार गए हैं। उत्तरी दिल्ली निगम के तहत रोहिणी वार्ड-32 से आम आदमी पार्टी प्रत्याशी रामचंद्र ने धमाकेदार जीत हासिल की है। उन्होंने इस सीट पर

भाजपा प्रत्याशी राकेश गोयल को करारी शिकस्त दी है।क्क प्रत्याशी रामचंद्र ने 2981 वोटों से यह जीत दर्ज की है। रामचंद्र को 14,328 वोट हासिल हुए तो भाजपा प्रत्याशी राकेश गोयल को 11,343 वोट मिले। इस वार्ड में कांग्रेस की मेमवती बरवाला को 2587 और बसपा के ओमप्रकाश को 2142 वोट मिले हैं। इससे पहले रामचंद्र आम आदमी पार्टी से विधायक रह चुके हैं। इन्होंने उपचुनाव बवाना सीट से जीता था। रामचंद्र पूर्व में भी वर्ष 2017 में हुए उपचुनाव में ही बवाना विधानसभा क्षेत्र से बतौर आप प्रत्याशी विधायक चुने गए थे, लेकिन वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उनका पत्ता काटकर बसपा से आए पार्षद जय भगवान उपकार को टिकट दे दिया था और उपकार विधायक बनने में सफल भी रहे। ऐसे में उपकार के विधायक बनने के बाद पार्षद की खाली सीट के लिए ही उपचुनाव हुआ है, जिसमें पार्टी ने पूर्व विधायक रामचंद्र को मैदान में उतार दिया। फिर क्या था रामचंद्र ने आम आदमी पार्टी मुखिया अरविंद केजरीवाल को निराश न करते हुए इस सीट पर जीत हासिल कर ली। दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में प्रत्याशी धीरेंद्र कुमार ने कल्याणपुरी से जीत दर्ज की है। कल्याणपुरी में क्कउम्मीदवार धीरेंद्र कुमार ने 7043 वोट से जीत बड़ी दर्ज कर की। इस चुनाव में उन्हें कुल 14302 वोट मिले, जबकि दूसरे स्थान पर रहे BJP उम्मीदवार सिया राम को 7259 मिले हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2020 सभी 70 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की जमानत दर्ज कराने वाली कांग्रेस ने दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में रोचक प्रदर्शन किया है। चौधरी बांगर सीट पर जुबैर अहमद 10,642 वोट से जीते हैं। कांग्रेस उम्मीदवार को चुनाव में कुल 16,203 वोट मिले हैं, वहीं, दूसरे नंबर पर रहे आम आदमी पार्टी के मोहम्मद इशराक को 5561 वोट मिले। वोटों के मामले में दिल्ली में कांग्रेस उम्मीदवार जुबैर अहमद ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की है।

कोटद्वार और दिल्ली के बीच सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस का संचालन शुरू

नई दिल्ली। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर कोटद्वार और दिल्ली के बीच सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस का संचालन शुरू किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डा रमेश पोखरियाल निशंक भी वर्चुअल माध्यम से समारोह से जुड़े। यह रेलगाड़ी रोजाना सुबह सात बजे दिल्ली से कोटद्वार के लिए चलेगी। अपराह्न 1 बजकर 40 मिनट पर कोटद्वार पहुंचेगी। कोटद्वार से अपराहन 3 बजकर 20 मिनट पर दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी। रात्रि 9 बजकर 50 मिनट पर दिल्ली पहुंचेगी। नजीबाबाद, मौजमपुर, बिजनौर, मौजमपुर, हल्दौर, चांदपुर, मंडी धनौरा, गजरौला, हापुड़, गाजियाबाद इसके स्टापेज होंगे।

गीले कूड़े से बनाई जा रही खाद, निगम अपने पार्कों में कर रहा प्रयोग

पूर्वी दिल्ली। स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर स्थान प्राप्त करने के लिए पूर्वी निगम की तरफ से लगातार कोशिशें की जा रही हैं। इसके तहत गीला और सूखा कूड़ा का अलग-अलग निस्तारण किया जा रहा है। करीब एक साल के प्रयास ने कुछ रंग दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले एक साल में पूर्वी निगम अपने क्षेत्र में नौ कंपोस्टर प्लांट लगा चुका है। एक साल में इन नौ प्लांट में 2300 टन गीले कूड़ा का निस्तारण हो चुका है और इससे तीन सौ टन खाद बन चुकी है। इस खाद का प्रयोग निगम फिलहाल अपने पार्कों में कर रहा है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि नवंबर 2019 में पहला प्लांट लगाया गया था। प्लांट में एक मशीन होती है जो गीले कूड़े का निस्तारण करती है। इसकी क्षमता प्रतिदिन एक टन कूड़ा निस्तारण की होती है। धीरे-धीरे अन्य जगहों पर इन्हें लगाना शुरू किया गया। कोरोना के चलते कुछ समय तक

अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी निगम विकेंद्रित अपशिष्ट प्रबंधन पर अधिक जोर दे रहा है। गीले कूड़े का निस्तारण वार्ड में ही करने के तहत ये छोटे-छोटे प्लांट लगाए जा रहे हैं।

काम बंद रहा। लेकिन जनवरी, 2021 तक इन नौ प्लांट में तीन सौ टन खाद हो तैयार हो चुकी है, जो अच्छे संकेत हैं। पूर्वी निगम की योजना अगले एक महीने में तीन अन्य जगहों पर कंस्पोस्टर प्लांट लगाने की है। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी निगम विकेंद्रित अपशिष्ट प्रबंधन पर अधिक जोर दे रहा है। गीले कूड़े का निस्तारण वार्ड में ही करने के तहत ये छोटे-छोटे प्लांट लगाए जा रहे हैं। अभी तक त्रिलोकपुरी, उस्मानपुर, खेड़ा गांव, सैनी एन्क्लेव, प्रीत विहार, मयूर विहार, डिलमिल, त्रिलोकपुरी, सुंदर नगरी में कंपोस्टर प्लांट संतोषजनक रूप से कार्य कर रहे हैं जबकि गोकलपुर, न्यू अशोक नगर और विश्वास नगर में इसे लगाया जाना है। अपशिष्ट प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूर्वी निगम की तरफ से सु-धारा योजना भी चलाई जा रही है। इसके तहत मंदिरों में चढ़ाए गए फूलों के मलबे से गुलाल और खाद बनाने का कार्य भी किया जा रहा है। साथ ही कई वाडरें में घर-घर से अलग-अलग कूड़ा उठाया जा रहा है। इससे न केवल कूड़े का प्रबंधन सुधर रहा है बल्कि पर्यावरण भी बेहतर हो रहा है। अधिकारियों का मानना है कि बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए कूड़े को स्नोत पर ही अलग-अलग करना जरूरी है।

कोरोना वैक्सीन को लेकर दिल्ली-एनसीआर के लोगों में कैसे पैदा की जाए जागरूकता

नई दिल्ली। टीका लगाने के प्रति लोगों की अन्यमनस्कता को तो तोड़ना ही होगा। साथ ही कोरोना बचाव के लिए तय उपाय और एहतियात को भी नहीं छोड़ना है। जरा याद कीजिए एक साल पहले के हालात को घरों में कैसे कैद थे। अपनों से भी दूर थे। ईश्वर से मिन्नतें कर इस कोरोना बीमारी को भगाने को तत्पर थे। कोरोना वैक्सीन का बेसब्री से इंतजार करते थे। अब वैक्सीन आई, लगनी शुरू हुई तो उसके प्रति आशंका व्यक्त की जाने लगीं। बहुत कड़ी मेहनत के साथ टीकाकरण के पड़ाव तक पहुंच सके हैं। अब पहले चरण में ही ऐसे हालात रहे कि शंका-आशंकाओं के भंवर में फंस गए। लोग ऐसे उलडो हैं कि टीकाकरण का लक्ष्य दिल्ली-एनसीआर में महज 50-60 फीसद तक ही पूरा हो सका। स्वास्थ्य की सजगता के प्रति ऐसी ब्रेफिक्री और आशांकित रवैया अनुकूल नहीं है। कोरोना की लड़ाई में टीका कारगर हथियार है। चूंकि स्वास्थ्यकर्मी और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को ही कोरोना से जंग में आगे रहे सो

सबसे पहले उन्हें सुरक्षित करने का निर्णय भी लिया गया। सरकार ने तय किया कि पहले इन कोरोना योद्धाओं को टीका लगाया जाएगा। सबकी सूची बनाकर को-विन एप पर पंजीकरण भी हुआ, लेकिन जब टीकाकरण शुरू हुआ तो सरकार का शत प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। कोवैक्सीन के ट्रायल की रिपोर्ट लांसेट मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हाने के बाद लोगों में विश्वास जगा है। इससे पहले डाक्टर व स्वास्थ्य कर्मी टीकाकरण से बच रहे थे। चार फरवरी को अग्रिम पंक्ति वालों का टीकाकरण शुरू हुआ। तब तक काफी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी टीका लगवा चुके थे। उन्हें देखकर अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों का हौसला बढ़ गया था।

ताहिर सहित 18 की न्यायिक हिरासत बढ़ी

दंगे की साजिश रचने और देशद्रोह का है आरोप

पूर्वी दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने दंगे की साजिश के मामले में दायर दूसरे पूरक आरोपपत्र पर मंगलवार को संज्ञान ले लिया है। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने यूएपीए के तहत दर्ज मामले में आरोपित पार्षद ताहिर हुसैन के अलावा शरजील इमाम, उमर खालिद, देवांगना सहित 18 आरोपितों की न्यायिक हिरासत की अवधि 12 मार्च तक के लिए बढ़ा दी है। आरोपितों पर दंगे का षड्यंत्र रचने, उपद्रव फैलाने व देशद्रोह के आरोप लगाए गए हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत की कोर्ट में मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये आरोपितों को पेश किया गया। देवांगना के वकील अदित एस पुजारी ने कोर्ट से मांग की कि संज्ञान लेने से पहले उन्हें दूसरे पूरक आरोपपत्र की प्रति दी जाए। उन्होंने कहा कि आरोपितों से पहले इस पूरक आरोपपत्र की प्रति मीडिया तक पहुंच गई है। उस पर मीडिया ट्रायल भी किया जा रहा है, जो पूर्वाग्रह से प्रेरित है। वरिष्ठ लोक अभियोजक अमित प्रसाद ने यह कहते हुए विरोध किया कि कानून में इस तरह का कोई प्रविधान नहीं है कि संज्ञान लेने से पहले आरोपपत्र दिया जाए। उन्होंने पक्ष रखा कि मीडिया में पुलिस के खिलाफ भी रिपोर्ट किया जा रहा है। कई खबरों का भी उन्होंने उल्लेख किया। आगे की जांच के संबंध में बताया गया कि यह तब तक जारी रहेगी, जब तक कि सभी आरोपितों को पकड़ नहीं लिया जाता और सभी सबूत एकत्र नहीं हो जाते। कोर्ट ने मीडिया ट्रायल को लेकर उठाए गए मुद्दे पर कहा कि प्रत्येक अभियुक्त को मुकदमे में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच का मौलिक अधिकार है। लेकिन मीडिया मुद्दे को कवर करने के लिए स्वतंत्र है। उन्हें केवल अपने दृष्टिकोण के प्रति सावधान और उद्देश्य के प्रति सचेत रहना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपित और दोषी के बीच अंतर है। ऐसे में मीडिया कवरेज के बारे में दिशानिर्देश देना संभव नहीं है।

स्पेशल सेल तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रखकर कर रही जांच, निकिता ने दायर की जमानत याचिका

नई दिल्ली। टूलकिट मामले में आरोपित निकिता जैकब की अग्रिम जमानत अर्जी पर मंगलवार को पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। कुछ देर की सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि निकिता को 10 मार्च तक बांबे हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी से राहत दे रखी है। ऐसे में इस अर्जी को नौ मार्च को सुना जाएगा, तब तक दिल्ली पुलिस इस पर अपना जवाब दाखिल करे। नौ मार्च को ही आरोपित शांतनु मुलुक की अग्रिम जमानत अर्जी पर भी सुनवाई होनी है। दिशा रवि को इस मामले में हाल ही में जमानत मिली है। पेशे से अधिवक्ता मुंबई निवासी निकिता जैकब ने अग्रिम जमानत अर्जी में गिरफ्तारी से राहत देने की मांग की है। अर्जी में कहा गया है कि जब पुलिस ने नोटिस जारी किया तो उन्होंने जांच में शामिल होकर पुलिस के सवालों का जवाब दिया। भविष्य में भी वह पुलिस के बुलाने पर जांच में शामिल होती रहेंगी। निकिता को पुलिस ने टूलकिट मामले में दिशा और शांतनु के साथ

नामजद किया था। टूलकिट मामले में साइबर सेल तीन मुख्य पहलुओं पर विस्तृत तफ्तीश में जुटी हुई है। पहला, दिशा रवि, निकिता जैकब व शांतनु मुलुक से विस्तृत पूछताछ में जितनी बातें सामने आई हैं, पुलिस उसकी सत्यता जांच रही है। इनके मोबाइल व लैपटाप की जांच में जो कुछ पाए गए उन्हें सामने लाने की कोशिश की जाएगी। दूसरा, इनके बैंक खाते खंगाले जा रहे हैं ताकि इससे यह पता किया जा सके कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन से पहले देश-विदेश से इन्हें फंडिंग हुई अथवा नहीं फंडिंग के स्नोत का पता लगने पर इस साजिश का भंडाफोड़ हो सकेगा। तीसरा, दिल्ली उपद्रव मामले में गिरफ्तार अथवा फरार आरोपितों से टूलकिट के आरोपितों के बीच की कड़ी का पता लगाना। यह वही टूलकिट है, जिसे खालिस्तानी अतांकियों के समर्थकों के इशारों पर कृषि कानूनों के खिलाफ ट्विटर पर अभियान चलाने के लिए तैयार किया गया था। इस टूलकिट के तहत नामी हस्तियों से कृषि कानून के खिलाफ चल रहे आंदोलन के समर्थन में ट्वीट कराए गए थे। इसका पता तब चला जब पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने इस टूलकिट को अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट कर दिया। हालांकि कुछ देर बाद ही इसे डिलीट कर दिया गया था, लेकिन तब तक यह वायरल हो चुकी थी। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल टूलकिट मामले में शुरुआती सुनवाई के दौरान अदालत में किरकिरी होने के बाद आरोपितों के खिलाफ पुख्ता सुबूत जुटाने में जी जान से जुट गई है। सबसे बड़ी चुनौती साइबर सेल के लिए 26 जनवरी को हुए उपद्रव मामले में गिरफ्तार अथवा फरार आरोपितों के टूलकिट मामले के आरोपितों के बीच की कड़ी जोड़ने की होगी।

द्वारका में 11वीं कक्षा की छात्रा हुई कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-2 स्थित वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा के कोरोना संक्रमित होने का मामला सामने आया है। छात्रा अपने घर में क्वारंटाइन है। परिवार के अन्य सदस्य भी होम आइसोलेशन के नियम का पालन कर रहे हैं। स्कूल की प्रधानाचार्य मनीषा शर्मा ने बताया कि छात्रा 15 फरवरी को केवल एक ही दिन के लिए स्कूल आई थी।

इसके बाद वह अपने किसी पारिवारिक कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुई थी। बड़ा सवाल यह है कि छात्रा संक्रमण की चपेट में कैसे आई उन्होंने कहा कि छात्रा के संक्रमित होने की जानकारी मिलने के बाद कक्षा को सैनिटाइज किया गया।

15 फरवरी को छात्रा के संपर्क में आए किसी भी विद्यार्थी में अभी तक कोई लक्षण दिखाई नहीं दिए और उस घटना को 15 दिन बीत चुके हैं, ऐसे में स्कूल को बंद करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि स्कूल में प्रवेश करने वाले सभी विद्यार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग करने के साथ-साथ स्कूल परिसर में जगह-जगह सैनिटाइजर की व्यवस्था की गई है। कक्षा में शारीरिक दूरी को ध्यान में रखते हुए 10 व 12 से अधिक विद्यार्थियों को नहीं बिठाया जाता है। विद्यार्थी लंच व पानी साझा न करें इस बात का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। सभी ठीक से मास्क लगाएं, इसके लिए भी समय-समय पर सभी को जागरूक किया जाता है। उधर, दिल्ली अभिभावक संघ की अध्यक्ष अपराजिता गौतम ने बताया कि वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल में छात्रा के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी मिली है। स्कूल प्रबंधन को छात्रों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाना चाहिए। छात्रों के पास आनलाइन व आफलाइन परीक्षा देने के दोनों विकल्प मौजूद रहने चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री व उपराज्यपाल को पत्र लिखकर चिंता भी जाहिर की गई है।

रात को अरविंद केजरीवाल को दी जान से मारने की धमकी, सुबह हरियाणा से गिरफ्तार हुआ पप्पू

नई दिल्ली। शराब के नशे में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की झूठी काल करने वाले आरोपित पप्पू को संसद मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

सोमवार देर रात 11 बजे आरोपित ने संसद मार्ग इलाके से पीसीआर को फोन कर कहा था कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मारने के लिए उसे हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराया गया है। इसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को दबोच लिया गया। पूरी घटना के बाबत नई दिल्ली जिले के डीसीपी ईश सिंघल के मुताबिक काल मिलते ही संसद मार्ग थाना पुलिस ने सबसे पहले मोबाइल नंबर का पता लगाया। सकते में आई दिल्ली पुलिस ने जांच की तो मोबाइल फोन नंबर पप्पू के नाम पर कृष्णा गली, पहाड़गंज के एक पते पर पाया गया। उक्त पते पर सोमवार देर रात ही जब छापेमारी की गई तब पता चला कि पप्पू कई साल पहले वहां से जा चुका है।

इसके बाद हैरान-परेशान दिल्ली पुलिस रात भर पुलिस टीम के साथ मोबाइल के लोकेशन के आधार पर उसे ढूंढती रही। अगले दिन सुबह उसे ओखला से गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि पप्पू आदतन शराबी और ड्रग एडिक्ट है। कुछ सालों से वह फरीदाबाद में बहन के साथ रह रहा है। संसद मार्ग थानाध्यक्ष अजय कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने पूरी तरह छापेमारी की। आखिरकार पप्पू को फरीदाबाद, हरियाणा से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अविवाहित है और शराब पीने का आदी है। उसने शराब पीकर नशे में सीएम को मारने की कॉल कर दी थी। वह फरीदाबाद में अपनी बहन के घर रहता है।

यमुना के प्रवाह में चप्पू (पैडल) चलाकर ओलंपिक के लिए अभ्यास कर रहे खिलाड़ी

पूर्वी दिल्ली। सोनिया विहार वाटर स्पोर्ट्स क्लब ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों को तैयार कर रहा है। इन दिनों यमुना के प्रवाह में चप्पू (पैडल) चलाकर खिलाड़ी ओलंपिक के लिए अभ्यास कर रहे हैं। क्लब के कई खिलाड़ी नौकायन में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं। थाईलैंड के पटाया में अगले महीने 30 अप्रैल से शुरू होकर सात मई तक चलने वाले एशियन ओलंपिक क्वालीफायर के लिए क्लब की दो खिलाड़ियों वैशाली और निधि का चयन हुआ है। इनसे पहले हंगरी में आयोजित वर्ल्ड कप 2015 के लिए शेखर मान का चयन हुआ था, वह नौवें स्थान पर आए थे। वाटर स्पोर्ट्स क्लब के कोच मंजीत शेखावत ने बताया कि नौकायन जैसे चुनौतीपूर्ण और रोमांच से भरपूर खेल में कई युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। क्लब में अभी 35 खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं।

इस क्लब के खिलाड़ियों की कामयाबी को देखकर क्षेत्र के युवा भी नौकायन में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। कोच मंजीत ने बताया कि क्लब में जो भी नौकायन सीखने के लिए आता है, पहले उसे तैराकी सिखाई जाती है। जब वह अच्छी तरह से तैराकी सीख लेता है तो उसे देर तक पानी के अंदर रहने का अभ्यास कराया जाता है। जब खिलाड़ी तैराकी की सभी बारीकियां सीख जाता है तो उसे बोट में संतुलन बनाना सिखाया जाता है। इसके बाद खिलाड़ी को धीरे-धीरे चप्पू चलाने से लेकर अन्य गतिविधियां सिखाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि तैराकी या नौकायन का अभ्यास करने वाले खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से हमेशा मजबूत होते हैं।

दिल्ली में अब राशन की होगी होम, लाखों लोगों के घर पहुंचेगा आटा-चावल और दाल

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार राज्य के लोगों को एक और सौगात देने जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, इसी महीने होली से पहले घर-घर राशन योजना लागू हो सकती है। दिल्ली सरकार ने राशन की होम डिलीवरी की तैयारी पूरी कर ली है। होली से पहले ही इस योजना के लागू होने की उम्मीद है। इससे लाखों लोगों को राहत मिलेगी, जिससे उन्हें राशन के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इस बाबत दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के मंत्री इमरान हुसैन ने दिल्ली सचिवालय में मंगलवार को विभागीय अधिकारियों व अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक की। उन्होंने आश्वस्त किया कि राशन की डोर स्टेप डिलीवरी इसी माह शुरू होगी। राशन आपूर्ति परेशानी न हो इसे लेकर अधिकारियों ने मंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण भी दिया। गौरतलब है कि 21 जुलाई 2020 को दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने डोर स्टेप डिलीवरी आफ राशन की योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत आटा, चावल और चीनी आदि लोगों के घर राशन पहुंचाया जाएगा, जिससे लोगों को परेशानी कम हो।

इसी महीने के अंत लागू होने जा रही मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना के तहत गेहूं के बदले आटा एवं चावल का पैकेट मिलेगा। चावल और चीनी के पैकेट पर इसके तैयार होने की तिथि व एक्सपायरी तिथि भी दी जाएगी, जिससे जनता को राशन के इस्तेमाल की सही जानकारी मिल सके। दिल्ली के मंत्री इमरान हुसैन की मानें तो राशन गोदाम से लेने, पैकेजिंग और गरीबों के घर तक पहुंचाने की प्रक्रिया सीसीटीवी, जीपीएस व बायोमीटिक सिस्टम के तहत पूरी की जाएगी। हालांकि, जो लोग चाहेंगे, वे दुकान से भी राशन ले सकेंगे। राशन की डोर स्टेप डिलीवरी के लिए अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा, हालांकि यह कितना होगा यह भी तय नहीं हुआ है।

संपादकीय

निजी बैंकों की बढ़ती जिम्मेदारी

सरकारी योजना में निजी बैंकों की कुछ भागीदारी पहले भी थी, लेकिन कोरोना के समय इसमें व्यवधान आया और अब फिर इसके लिए कवायद शुरू हो गई है। बुनियादी रूप से देखें, तो यह काम सरकार बैंकिंग सेवा की पहुंच बढ़ाने के लिए कर रही है। किसी भी बैंकिंग सेवा संस्थान का यह लक्ष्य होता है कि वह उन लोगों तक अपनी पहुंच बनाए, जो अभी उसकी सेवाओं से वंचित हैं। यह बहुत जरूरी है कि बैंकिंग सेवा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक तार्किक लागत या कीमत के साथ पहुंचे। जब किसी अर्थव्यवस्था में ज्यादा से ज्यादा बैंक मुस्तैदी के साथ सक्रिय होंगे, तभी बैंकिंग सेवाओं का विस्तार होगा। बैंकों को न केवल जरूरतमंद लोगों, बल्कि अर्थव्यवस्था के जरूरतमंद सेक्टर तक भी पहुंचना है। इस संदर्भ में अगर देखें, तो निजी क्षेत्र के बैंकों के सरकारी योजनाओं में सक्रिय होने से बैंकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा भी बढ़ेगी और सेवा तंत्र व तौर-तरीकों में भी सुधार होगा। हालांकि, इस पर कुछ शंकाएं भी हैं। ज्यादातर सार्वजनिक बैंक बिना लाभ के भी काम करते हैं। विशेष रूप से गांवों में उन्हें कम से कम लागत में सेवा देने पर ध्यान देना पड़ता है। इन बैंकों का सामाजिक दायित्व भी होता है और ये बैंक जीरो बायलेंस रखते हुए भी सेवा देते हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना की वेबसाइट पर जाकर देख लीजिए, आज भी तीन प्रतिशत से भी कम जन-धन खाते निजी बैंकों में खुले हैं। निजी क्षेत्र के बैंकों के काम का एक प्रमुख लक्ष्य लाभ कमाना है। उन्हें ज्यादा से ज्यादा डिपॉजिट या जमा या नकदी की चाहत होती है। दूसरी ओर, ज्यादातर सरकारी योजनाओं में बैंकों के लिए लाभ की गुंजाइश नहीं होती और सरकार उम्मीद करती है कि बैंक ऐसे काम को अपना सामाजिक दायित्व समझकर पूरा करें। सरकार की यह नीति नई नहीं है। अगस्त 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना शुरू करने से पहले सरकार ने निजी बैंकों को भागीदार बनाया था। निजी बैंकों के अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री की बैठक विज्ञान भवन में हुई थी। सरकार ने यह सोच-समझकर फैसला लिया था कि जन-धन योजना को निजी और सार्वजनिक, दोनों प्रकार के बैंकों की मदद से साकार किया जाएगा। चूंकि निजी बैंकों की नजर अपने फायदे पर ज्यादा होती है, इसलिए वे तीन प्रतिशत से भी कम जन-धन खाते खोल पाए। निजी बैंकों की पहुंच ज्यादा भले न हो, लेकिन जहां तक लाभ की बात आती है, तो वे आगे रहते ही हैं। वैसे तो हर योजना में एक प्रशासनिक खर्च भी शामिल रहता है, जो दो प्रतिशत के आसपास होता है, उसी की बदौलत निजी बैंकों को सरकारी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्द्धा में उतरना होगा। सरकार ने पहले निजी बैंकों के साथ ही पेमेंट बैंकों को भी मंजूरी दी थी, लेकिन अब इन छोटे-छोटे बैंकों को शामिल किया गया है या नहीं, यह देखने वाली होगी। यदि निजी बैंकों के साथ-साथ पेमेंट बैंकों को भी सरकारी योजनाओं में इस्तेमाल किया जाएगा, तो कोई समस्या नहीं है। चूंकि शहरी क्षेत्रों में निजी बैंकों की ज्यादा पहुंच है, तो वह सरकार की शहरी योजनाओं में कारगर हो सकते हैं। ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में सरकारी बैंकों को ही काम संभालना होगा। यह भी बात सोचने की है कि बहुत सारी राशि आने वाले दिनों में जन-धन खाते के जरिए लोगों तक पहुंचेगी, यदि निजी बैंक ज्यादा खाते नहीं खोलेंगे, तो न उनकी भागीदारी बढ़ेगी और न उन्हें फायदा होगा। सरकारी या निजी, जिन बैंकों ने ज्यादा जन-धन खाते खोले हैं, उन्हें ही फायदा होगा। ग्राम सड़क योजना, ग्रामीण आवास योजना, जैसे अनेक बड़े कार्यक्रम हैं, जिनमें पैसा आना और वितरित होना है, उसमें से एक हिस्सा निजी बैंकों के जरिए लोगों तक पहुंच सकता है।

वित्त मंत्री साफ तौर पर यह बताना चाहती हैं कि सरकार निजी और सार्वजनिक बैंकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाना चाहती है। अब दोनों तरह के बैंकों के बीच कैसे मुकाबला होता है, इसका इंतजार रहेगा। इस बीच ज्यादा चिंता इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक को लेकर है। देश के लिए इस बैंक का विकास देखना जरूरी है। इसकी पहुंच शहरी इलाकों के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी बहुत ज्यादा है। इस बैंक को आगे लाने के बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए। डाक घर के परंपरागत कार्य घट गए हैं, तो सरकार ने 2018 में इसके तहत इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक बना दिया है। निजी बैंकों को सामाजिक दायित्व में भागीदार बनाना स्वागतयोग्य है, पर कहीं ऐसा न हो कि इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का नुकसान होने लगे। पोस्ट ऑफिस की पहुंच गांव-गांव तक है, उसे बाकी बैंकों से प्रतिस्पर्द्धा के लिए तैयार करने के बारे में सोचना चाहिए। पोस्टल बैंक को यदि नुकसान हुआ, तो यह सरकार का नुकसान होगा। डाक तंत्र दशकों की मेहनत से तैयार हुआ है, उसका लाभ देश के विकास के लिए ज्यादा लेना चाहिए। यह सही है, आप बैंकों के बीच भेदभाव नहीं कर सकते। सरकारी योजनाओं के लिए सरकार केवल एक-दो बैंकों को भागीदारी नहीं दे सकती। सारे बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के तहत आते हैं। यह जरूरी है, हर बैंक देश के विकास में सामाजिक दायित्व निभाए और हर बैंक अपनी-अपनी बेहतर भागीदारी के लिए परस्पर प्रतिस्पर्द्धा करे। जहां तक सरकारी बैंकों का सवाल है, तो बजट 2021-22 में भी यह साफ इशारा कर दिया गया है कि सरकारी बैंकों की संख्या घटेगी। देश में कुछ ही बड़े सरकारी बैंक रह जाएंगे। वैसे बैंकों की संख्या घटानी नहीं चाहिए, उनका ग्रामीण इलाकों में ज्यादा विस्तार करना चाहिए। हमें मजबूत सरकारी बैंकों की जरूरत है। जब विलय होता है, तब कमजोर बैंक को मजबूत बैंक अपने में समाहित कर लेता है, इससे जो बैंक बनता है, वह पहले की तरह मजबूत नहीं रह जाता, 'सेमी वीक' बैंक बन जाता है। एक और अहम बात, भारत में बैंकों के लिए 'ट्रांजेक्शन कॉस्ट' घटाना जरूरी है, दूसरे देशों की तुलना में यह भारत में अधिक है। यह कॉस्ट घटने से भी बैंकों की भागीदारी बढ़ेगी। बैंकिंग की बात करें, तो ब्रिटेन, हांगकांग, सिंगापुर में बैंकिंग सेवा से हमें सीखना चाहिए। इन देशों में बैंकों की पहुंच हर व्यक्ति तक है और किसी भी जरूरतमंद को कर्ज या वित्तीय सेवाओं के लिए भटकना नहीं पड़ता है। लेकिन इस मुकाम पर पहुंचने के लिए भारत को लंबा सफर तय करना है।

प्रवीण कुमार सिंह

ऑस्ट्रेलिया में इंटरनेट मीडिया के माध्यम से समाचारों को साझा करने के संदर्भ में नए नियम

इंटरनेट मीडिया की दुनिया में शक्ति संतुलन केवल इस मामले में ही एकतरफा नहीं है कि वहां कुछ गिनी-चुनी कंपनियों का एकाधिकार है, बल्कि इसलिए भी कि वे राष्ट्रीय सरकारों के विनियमन से भी लगभग मुक्त हैं। कुछ सरकारें इस दिशा में प्रयास कर रही हैं कि इस संबंध में कानून बनाए जाएं। लिहाजा इस संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया की संसद में प्रस्तावित मीडिया कोड को प्रस्थान बिंदु माना जा सकता है, क्योंकि इसके बाद पूरी दुनिया में डिजिटल संसार नए प्रयोगों के लिए खुल सकेगा।

इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक ने ऑस्ट्रेलिया में समाचार देखने और साझा करने पर रोक लगा दी है। फेसबुक का ऑस्ट्रेलिया के मीडिया कानून को लेकर सरकार से टकराव चल रहा है। दिलचस्प यह कि अभी प्रस्तावित मसौदा कानून का रूप ले भी नहीं पाया है और फेसबुक ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी सेवा पर रोक लगा दी। यहां तक कि महामारी के इस दौर में भी स्वास्थ्य विभागों और इनसे जुड़ी सूचनाओं के प्रसारण को फेसबुक ने सिर्फ इस आधार पर प्रतिबंधित कर दिया कि संभावित कानून के बाद उसके लाभ में कमी आ सकती है। दरअसल फेसबुक इस नीति पर चल रहा है कि यदि कानून से उसके व्यापार पर प्रभाव पड़ता है तो वह अपनी सेवा बंद कर सकता है। आखिर फेसबुक इस तरह का व्यवहार क्यों कर रहा है?

वस्तुत- ऑस्ट्रेलिया सरकार ने अप्रैल 2020 में ऑस्ट्रेलियन कंपीटीशन एंड कंज्यूमर कमीशन (एसीसीसी) नामक संस्था से एक ऐसा तंत्र विकसित करने को कहा था जिससे ऑस्ट्रेलियाई मीडिया घरानों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बीच एक संतुलित व्यावसायिक संबंध कायम हो सके। इसके बाद एसीसीसी के सुझाव के अनुरूप सरकार ने मीडिया कोड नाम से एक विधेयक संसद में प्रस्तुत किया है। इस संहिता का सार यह है कि अब ऑस्ट्रेलिया में गूगल और फेसबुक को अपने प्लेटफार्म पर साझा होने वाले समाचारों के बदले में उस समाचार प्रदाता को भुगतान करना होगा। भारतीय उदाहरण से इसे समझें तो गूगल और फेसबुक किसी मीडिया प्रतिष्ठान की किसी खबर को अपने प्लेटफॉर्म पर तभी शेयर कर सकते हैं, जब वह संबंधित मीडिया प्रतिष्ठान और

गूगल/ फेसबुक के बीच पहले ही ऐसा कोई व्यावसायिक समझौता हो गया हो। अभी गूगल या फेसबुक अपने प्लेटफॉर्म पर शेयर होने वाली किसी खबर के बदले उस मीडिया प्रतिष्ठान को भुगतान नहीं करते हैं, जिसने उसका कंटेंट तैयार किया है।

अब यह संहिता कहती है कि गूगल और फेसबुक को पहले मीडिया प्रतिष्ठानों से एक सौदा करना होगा, जिसके तहत वो इन्हें परस्पर सहमति से तय राशि के भुगतान के बाद ही उनकी कोई खबर अपने प्लेटफॉर्म पर साझा कर सकते हैं। इस नियम को नहीं मानने पर जुर्माने का भी प्रविधान किया गया है। ऑस्ट्रेलिया सरकार का कहना है कि इससे पत्रकारिता की जनपक्षधरता सुनिश्चित हो सकेगी तथा मीडिया प्रतिष्ठानों के सम्मिलित श्रम का लाभ केवल गूगल और फेसबुक तक ही सीमित नहीं होगा, बल्कि यह उनके हिस्से भी होगा जो इसमें सर्वाधिक योगदान दे रहे हैं। इससे मीडिया का एक स्वच्छ अर्थतंत्र विकसित हो सकेगा, जो अंतत- मीडिया को और बेहतर व जिम्मेदार बनाएगा।

अब इस मामले में यदि इस नजरिये से विचार करें कि आखिर इस कानून की जरूरत क्यों पड़ी तो इसकी वजह स्पष्ट है। डिजिटल दुनिया एक विशाल अर्थतंत्र निर्मित कर रही है, लेकिन इसका लाभ केवल चुनिंदा संस्थानों को ही हो रहा है। आंकड़ों के माध्यम से देखें तो कुल डिजिटल विज्ञापन का 53 फीसद हिस्सा गूगल और 28 फीसद फेसबुक के पास है। यह एक असंतुलित स्थिति को दर्शाता है। खासकर परंपरागत मीडिया प्रतिष्ठानों के लिए इस दौड़ में टिक पाना मुश्किल हो रहा है। दिलचस्प यह कि लाभ का इतना बड़ा हिस्सा इन कंपनियों को तब मिल रहा है, जब इनके पास अपना कोई कंटेंट नहीं है। यह जरूरी है कि एक संतुलित व्यवस्था बने। यह मीडिया संहिता ऐसी ही कोशिश करती दिखाई दे रही है। चूंकि यह कानून इन दिग्गज कंपनियों को लाभ साझा करने के लिए बाध्य कर रहा है तो स्वाभाविक तौर पर ये इसका विरोध कर रहे हैं। फेसबुक ने इसे स्वायत्तता की समाप्ति बताया है तथा गूगल इसे बाध्यकारी बनाने का विरोध कर रहा है। फेसबुक ने तो विरोधस्वरूप ऑस्ट्रेलिया में अपने प्लेटफॉर्म पर खबरों को प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि गूगल इस मामले में एक वैकल्पिक और स्वायत्त तरीके से ऐसे द्विपक्षीय समझौतों की ओर बढ़ रहा है, जहां मीडिया प्रतिष्ठानों को भुगतान किया जा रहा है।

गूगल ने न्यूज शोकेस के नाम से एक नया उत्पाद तैयार किया है जिसमें खबरों के प्रकाशन के लिए मीडिया प्रतिष्ठानों को भुगतान किया जा रहा है। न्यूज शोकेस में सामान्य सर्च से कहीं विस्तृत और व्यवस्थित जानकारी दर्ज होती है। इसी न्यूज शोकेस के अंतर्गत खबरों के प्रकाशन हेतु गूगल ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज मीडिया समूह सेवन वेस्ट मीडिया को एक वर्ष के लिए लगभग 30 मिलियन डॉलर यानी करीब 2.17 अरब रुपये का भुगतान किया है। इतना ही नहीं, गूगल इस तरह छोटे-बड़े कुल 46 मीडिया समूहों से समझौता कर चुका है। दूसरी तरफ, यद्यपि फेसबुक अपनी लाइसेंस्ड प्रोडक्ट फीचर के अंतर्गत यूके के एक मीडिया समूह को बड़ी राशि का भुगतान कर रहा है, किंतु ऑस्ट्रेलिया में उसने ऐसी योजना को अभी तक मूर्त रूप नहीं दिया है। खबरों के अनुसार वह ऑस्ट्रेलिया में भी इसे जल्द शुरू करने वाला है, पर फिलहाल वहां उसने खबरों के प्रसार पर रोक लगा दी है।

इन कंपनियों के विरोध और इस भय के कि कहीं राज्य इसकी ओट में खबरों के स्वतंत्र प्रसार को प्रभावित न करने लगे, यह एक प्रगतिशील कानून प्रतीत होता है। इसके अलावा एक खतरा यह भी है कि यह नया आर्थिक तंत्र कहीं खबरों की दशा-दिशा को बदल न दे। इन सबके बावजूद इसे मानना ही ठीक होगा कि आखिर जो संस्थाएं कंटेंट तैयार करती हैं उनकी भी हिस्सेदारी लाभ में होनी ही चाहिए। भारत जैसे देश को भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। एक बार इस तरीके से छोटे-बड़े मीडिया प्रतिष्ठानों की आय बढ़ जाएगी तो न केवल उनका बने रहना आसान हो जाएगा, बल्कि वित्त को जुटाने के लिए किए जाने वाले अन्य उपायों से भी बचा जा सकेगा। इस प्रकार यह पाठक और प्रकाशक, दोनों को एक दूसरे के प्रति अधिक जबावदेह बनाएगा, क्योंकि अंतत- विज्ञापन के डिजिटल प्रारूप के बाजार में काफी कुछ इसी से तय होता है। इंटरनेट मीडिया की दुनिया में शक्ति संतुलन केवल इस मामले में ही एकतरफा नहीं है कि वहां कुछ गिनी-चुनी कंपनियों का एकाधिकार है, बल्कि इसलिए भी कि वे राष्ट्रीय सरकारों के विनियमन से भी लगभग मुक्त हैं। कुछ सरकारें इस दिशा में प्रयास कर रही हैं कि इस संबंध में कानून बनाए जाएं। लिहाजा इस संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया की संसद में प्रस्तावित मीडिया कोड को प्रस्थान बिंदु माना जा सकता है, क्योंकि इसके बाद पूरी दुनिया में डिजिटल संसार नए प्रयोगों के लिए खुल सकेगा।

फर्क समझे सरकार

सोशल मीडिया को नियमित करने की बहुचर्चित और वास्तविक जरूरत पूरी करने के मकसद से केंद्र सरकार पिछले हफ्ते जो नए कानून लेकर आई है, वे हालात को बेहतर बनाने के बजाय और बिगाड़ने का काम करेंगे। सरकार के इस कदम के साथ सबसे बड़ी गड़बड़ यह है कि इसमें सोशल मीडिया, स्ट्रीमिंग एंटरटेनमेंट और डिजिटल न्यूज पोर्टल- तीनों को एक ही डंडे से हांकने की कोशिश की गईह्यहै। यह सर्वविदित तथ्य है न्यूज कंटेंट के लिए पहले से ही बहुत से कानून हैं जिनका पालन न्यूज पोर्टलों को करना होता है। इसके अलावा यह भी सच है कि न्यूज पोर्टल अखबारों और टीवी चैनलों की कसौटियों पर चलते हैं। किसी भी समाचार संस्थान में पत्रकारों और संपादकों की बहुस्तरीय व्यवस्था होती है और किसी समाचार को आम पाठकों या दर्शकों तक पहुंचने से पहले जांच-परख के इन अलग-अलग स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है। यह सेल्फ रेग्युलेशन की एक ऐसी व्यवस्था है जिसका सोशल मीडिया में सर्वथा अभाव होता है। वहां तो आधी-अधूरी सूचनाएं ही नहीं विशुद्ध अफवाहें तक बिना किसी जांच-पड़ताल के लोगों के सामने परोस दी जाती हैं और उन सबके लिए किसी की कोई जिम्मेदारी भी नहीं होती। इन तमाम पहलुओं पर डिजिटल न्यूज के स्टेक होल्डरों से सलाह-मशविरा या विचार-विमर्श करने की जरूरत थी। मगर विचार-विमर्श किए बगैर सरकार ऐसे उपाय लेकर आई जो सोशल मीडिया को अनुशासित करने के लिए काफी नहीं हैं और मेनस्ट्रीम मीडिया की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं।

एक ऐसे दौर में, जब पत्रकारों को पहले से ही बात-बेबात राजद्रोह जैसे मुकदमे झेलने पड़ रहे हैं, सरकारी निगरानी की एक और व्यवस्था नए तरह के दबाव लेकर आएगी। इस बात के प्रबल आसार हैं कि एक तरफ इस निगरानी तंत्र के जरिए सरकार की दखलंदाजी बढ़ेगी तो दूसरी तरफ ट्रोल भी चुनिंदा मीडिया समूहों के खिलाफ अपना अभियान तेज किए रहेंगे। बहरहाल, यह स्पष्ट होना चाहिए कि सोशल मीडिया पर विवेक का अंकुश लगाने के सरकार के इरादे में कुछ भी गलत नहीं है। फेक न्यूज फैलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना बेशक जरूरी है। याद रखने की बात यह है कि मुख्यधारा के मीडिया ने ही विश्वसनीय खबरों का सिलसिला जारी रखते हुए फेक न्यूज के अभियान को कमजोर किया है। ताजा कानूनों के तहत शिकायत निपटारे की प्रस्तावित त्रिस्तरीय व्यवस्था इसका काम करना और कठिन बना देगी।

ऐसे में अब सबसे अच्छा उपाय यही है कि सरकार इस कदम को वापस ले ले। इसके बदले डेटा प्रोटेक्शन के लिए कानून बनाने की जो प्रक्रिया चल रही है उसका समुचित इस्तेमाल करे। उसी कानून में कुछ अतिरिक्त प्रावधान जोड़कर सोशल मीडिया के कंटेंट को नियमित करने का मकसद पूरा किया जा सकता है। बस वहां भी इतना ध्यान रखना जरूरी है कि न्यूज प्लैटफॉर्म को सोशल मीडिया के साथ न जोड़ दिया जाए।

ट्रैफिक जाम, प्रदूषण रिकार्ड स्तर पर, शादी में नागिन डांस, मास्क नाक पर नहीं गर्दन पर लटकते हैं

बीते दिनों चेन्नई में हुए मैच के दौरान स्टेडियम में क्रिकेटरों के अलावा दर्शक भी बैठे दिखे। लगा जैसा प्रागैतिहासिक काल का कोई दृश्य चल रहा हो। अति प्राचीन जमाने की याद आ गई, जब स्टेडियमों में दर्शक होते थे। कुछ समय पहले आइपीएल टूर्नामेंट हुआ था। उसमें खिलाड़ी होते थे और उनके साथ पान मसाला से लेकर सीमेंट वगैरह के इश्तिहार होते थे। भावना से कर्तव्य महान होता है.. की तर्ज पर कहा जा सकता है कि खिलाड़ी से स्पांसर महान होता है।

बर्फी की दुकान को बाप सेट कर के निकल ले तो बेटे के पास भी पुराने ग्राहक आना चालू रखते हैं। क्रिकेट में ऐसा नहीं है। बाप चाहे जो कर गया हो, बेटे को खुद कुछ कर दिखाना होता है। आजकल सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के साथ यही हो रहा है। क्रिकेट में वंशवाद क्यों नहीं है? वंशवाद में समानता होनी चाहिए। पॉलिटिक्स में है, तो क्रिकेट में भी होना चाहिए। फिर टॉप क्रिकेटरों के पुत्र कप्तान होते और अब के टॉप क्रिकेटर पानी पिला रहे होते।

खैर कोरोना जाता हुआ सा दिख रहा है। क्रिकेट के मैदान में खिलाड़ियों और पान मसाले के साथ दर्शक भी दिख रहे हैं। अहा, पुराने दिन लौट रहे हैं। कोरोना जाता सा इसलिए दिख रहा है, क्योंकि अब लोग मास्क को नाक पर नहीं गर्दन पर लटकायमान अवस्था में रख रहे हैं। यद्यपि हार्वर्ड विश्वविद्यालय या वाट्सएप विश्वविद्यालय ने भी अभी किसी शोध में यह नहीं बताया कि कोरोना अब नाक से नहीं, बल्कि गर्दन से शरीर में प्रवेश करता है। लोग लापरवाह हो रहे हैं। सड़कों पर नालियों के ऊपर गोलगप्पों की रेहड़ियां फुलटू रौनकवान होने लगी हैं। हालात इस कदर नार्मल हुए जा रहे कि वैलेंटाइन डे पर तमाम पार्कों में जिन पुलिसवालों की ड्यूटी लगाई गई, वे कोविड-पूर्व स्तर की कमाई करके लौटे।

पुराने दिन इस लिहाज से भी वापसी करते हुए दिखे कि एक शादी में कुछ इंसान नागिन डांस करते नजर आए। कोरोना ने नागिनों पर क्या असर डाला, इस सवाल का जवाब तो नहीं मिला, मगर कोरोना ने नागिन डांस को बहुत नुकसान पहुंचाया। यह बात कोई भी बैंड बाजा कंपनी का मालिक बता सकता है। नागिन डांस तो दूर शादी ब्याह में लोगों को बुलाना ही छोड़ दिया गया था। अब शादियों में नागिन डांस चल रहा है और कुछेक शादियों में तो फूफा रूठते हुए भी पाए गए। फूफा किसी शादी में रूठे, इसके लिए जरूरी है कि उसे शादी में बुलाया जाए। कोरोना काल में शादियों में किसे बुलाया जाए, इस सवाल के जवाब में बनने वाली मेरिट लिस्ट में अधिकांश फूफा क्वालीफाई न कर पाए। अब फूफा बुलाए जा रहे हैं और रूठ भी रहे हैं। हाय पुराने अच्छे दिन।

रूठना-मनाना शुरु हो गया है। 2020 तो मोटे तौर पर सिर्फ डरने-डराने की क्रिया में ही गुजरा। बंदा डरा रहता था कि कहीं निकल न ले। सच में जब मौत का खौफ सिर पर हो, तब न रूठना याद रहता या मनाना याद रहता। बीता साल तमाम लोगों को दार्शनिक बना गया। कई लोग इस तरह की बातें करते दिखते थे-क्या है जी सब यहीं धरा रह जाएगा। सब माया मोह है। ऐसे दार्शनिक 2021 में फरवरी आते-आते ही रिक्शेवालों से इस बात पर झगड़ने लगे हैं कि वहां तक जाने के 12 रुपये नहीं आठ ही रुपये दूंगा। हाय पुराने दिन लौट आए। टीवी सीरियलों में सासें बहुओं के खिलाफ षड्यंत्र पुराने टाइप से ही करने लगी हैं। ट्रैफिक जाम शहरों में पुराने स्तर पर लौट आया है। कोरोना काल में इस तरह की खबरें आया करती थीं-प्रदूषण खत्म हुआ और साफ हुआ आसमान। अब फिर नार्मलत्व की ओर लौट रहे हैं शहर और पुरानी नार्मल टाइप खबरें आने लगी हैं-प्रदूषण रिकार्ड स्तर पर। नकली दवाओं की खपत भी बढ़ चली है। बाजार में और दवा तस्कर भी घणे सक्रिय हो लिए हैं। जेबकतरों की आय भी कोविड पूर्व स्तर पर जा चुकी है। एक मित्र डॉक्टर ने बताया कि अब सिर्फ कोरोना वाले डॉक्टर ही न कमा रहे हैं, बल्कि दूसरी बीमारियां भी पर्याप्त नोट प्रदायक हो गई हैं। अफसर रिश्वत वगैरह खाने के आरोप में कोविड पूर्व के स्तर पर सक्रिय हो गए हैं।

आम मुसलमानों को चरमपंथी इस्लाम से रखा दूर, मस्जिदों को बाहरी धन लेने से मनाही

यह धर्म नहीं, राजनीति है। निस्संदेह मुसलमानों के विरुद्ध आम संदेह अनुचित है, किंतु इसे खत्म करने में मुसलमानों की भी जिम्मेदारी है। पहले उन्हें इस्लाम की घोषित काफिर-घृणा को सचमुच बंद करना होगा। 'इस्लामोफोबिया' की शिकायत झूठी है, क्योंकि खुद मुसलमान भी स्वतंत्रतापूर्वक उसके बारे में बोलने से डरते हैं। तमाम इस्लामी नेता धमकी की भाषा बोलते हैं। सेक्युलरिज्म एकतरफा नहीं चल सकता। फ्रांस में लयसिटे और इस्लाम की कशमकश इसी बात पर है। आज नहीं तो कल, इस्लाम की इस मूल टेक को खंडित करना ही होगा कि उसे पूरी दुनिया पर शासन का अधिकार है। इसके बाद ही समान सहजीवन का रास्ता खुलेगा।

फ्रांसीसी संसद ने हाल में 'गणतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करने का विधेयक' पारित किया है। इसका उद्देश्य आम मुसलमानों को रेडिकल यानी चरमपंथी इस्लाम से दूर रखना है। इसमें मस्जिदों को बाहरी धन लेने से रोकना, मुस्लिम बच्चों को भूमिगत इस्लामी प्रशिक्षण स्थलों में भेजने से रोकना, डॉक्टरों द्वारा मुस्लिम लड़कियों को 'कुंआरी होने का प्रमाण' देने पर रोक लगाने जैसे प्रविधान हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने इसे 'इस्लाम पर हमला' करार दिया है। वहां फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के पुतले जलाए गए। इस बीच अहम सवाल यही है कि क्या राज्य या सरकार जिहादियों और अन्य पक्षों के बीच तटस्थ बने रहें? यदि राज्य निर्विकार हो जाए तो संविधान को अंगूठा दिखाते हुए इस्लामवादी पूरे देश को शरीयत से चलने पर विवश करेंगे। यूरोप में कई स्थानों पर यह दिखने भी लगा है।

केवल मुस्लिम देश ही नहीं, लोकतांत्रिक देशों में भी मुस्लिम दबदबे वाले इलाकों में अन्य धर्मों के त्योहार मनाने से रोका जाता है। हर कहीं शरीयत थोपने की जिद राजनीति है, किंतु मैक्रों के अनुसार, 'इस्लाम पर बहस में हम प्राय- किंतु-परंतु करने लगते हैं। हर आतंकी हमले के बाद यही होता है।' फ्रांसीसी अवधारणा 'लयसिटे' यानी सेक्युलर नीति पर गलतफहमी भी उसका उदाहरण है। इसके तहत वहां किसी भी धर्म की आलोचना और खिल्ली उड़ाने तक का अधिकार है। फ्रांस में चर्च के वर्चस्व के प्रतिरोध में ही यह अवधारण उत्पन्न हुई थी। उसी के बाद वहां तर्क, विज्ञान और स्वतंत्रता

का विकास हुआ। फ्रांसीसी पत्रिका शार्ली अब्दो ने मुहम्मद साहब के कार्टून छापने के दशकों पहले से ईसा मसीह के असंख्य कार्टून भी प्रकाशित किए।

वस्तुत- ऐसे मुसलमान भी हैं जो इस्लाम की आलोचना करना चाहते हैं, परंतु उन्हें भी भय से मौन रहना पड़ता है। आज 80 प्रतिशत फ्रांसीसी मानते हैं कि उन पर खतरा है। गत वर्ष एक शिक्षक सैम्युल पैटी की गला काटकर हुई हत्या उसी क्रम में है। किसी प्रतिवाद के लिए न्यायालय जाने के बजाय शरीयत के लिए हत्याएं करना राष्ट्रीय संस्कृति पर खुली चोट है, लेकिन इसे रोकने के उपायों को 'मुसलमानों को दबाने' की कोशिश कहा जा रहा है। इस चुनौती के समक्ष फ्रांस अपना सेक्युलरिज्म बचाने की कोशिश कर रहा है। रोचक यह कि फ्रांस में इस्लामी नेता सेक्युलरिज्म के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं, जबकि भारत में ऐसे ही नेता सेक्युलरिज्म की दुहाई देते हैं। कारण यही कि भारतीय नीतियां इस्लामपरस्त हैं। डॉ. आंबेडकर ने स्वयं कहा था कि भारतीय संविधान धार्मिक आधार पर नागरिकों के बीच भेदभाव करता है। इसीलिए यहां इस्लामी नेता सेक्युलरिज्म की रट लगाते हैं, जबकि फ्रांस में सेक्युलरिज्म को चुनौती देते हैं। वे जिहादी हमलों का दोष भी सेक्युलरिज्म को देते हैं। जिहादियों द्वारा शार्ली अब्दो के अधिकांश पत्रकारों को मार डालने का दोष उस पत्रिका पर ही मढ़ा गया। यहां भी मुंबई आतंकी हमले के बाद संसद में कहा गया कि यदि भारत इजरायल और अमेरिका के प्रति झुकाव रखेगा तो ऐसे हमले होंगे ही। अमेरिका में भी 11 सितंबर के हमले के बाद कइयों ने कहा कि यह तो होना ही था।

वस्तुत- लंबे समय से यूरोप में बहुलवाद की स्वीकृति के कारण तमाम इस्लामी रीतियों को छूट मिलती रही, लेकिन धीरे-धीरे हर कहीं महसूस किया गया कि इससे समाज में बहुलता के बजाय शरीयत का दबदबा क्रमश- बढ़ा। इस्लामी समूहों ने स्थानीय संस्कृति स्वीकारने के बदले हर बात में इस्लामी मान्यताएं लादने की नीति रखी। इसके लिए अविराम मांगें, शिकायतें और हिंसा उनका आम व्यवहार है। तुष्टीकरण ने संतुष्ट करने के बजाय उनकी उग्रता ही बढ़ाई है। इस चलन का एक कारण इस्लामी इतिहास और सिद्धांत के प्रति सार्वभौमिक अज्ञान भी है। जिनका मुकाबला करना है, उन्हीं से पूछ-पूछ कर चलने की नीति अधिकांश सरकारों ने अपना रखी है। वे 'उदार' मुसलमान नेताओं को ढूंढते हैं, पर प्राय- छल के शिकार होकर और जमीन दे बैठते हैं। फिर अपनी भूल छिपाने के चक्कर में नई-नई भूलें करते हैं। इस तरह, जिहाद इंच-इंच बढ़ता, जीतता है और काफिर तिल-तिल मरते, हारते हैं। भारत इसका क्लासिक उदाहरण है। दशकों पहले ही एक तिहाई देश इस्लाम को देकर भी उसे संतुष्ट करने के बजाय बाकी पूरा देश दांव पर लग गया है।

इसका कारण यही है कि लोकतांत्रिक देशों के नेता और बुद्धिजीवी आदि जिहाद के इतिहास से पूर्णत- अंधेरे में रहते हैं। अपनी इकहरी नैतिकता के चलते पूरी समस्या को समझ नहीं पाते। इसीलिए, धीरे-धीरे सभी लोकतांत्रिक देशों में इस्लामी दबदबा बढ़ा। फ्रांस ने अभी समझना ही शुरू किया है कि उनके देश में एक 'विशेष वर्ग' है, जो देश में मिल-जुल कर नहीं रहना चाहता। लिबरल बुद्धिजीवी भी फ्रांस में 'मुसलमानों को निशाना बनाने' की शिकायत करते हैं, जबकि विपरीत निशाने को नजरअंदाज करते हैं। आखिर जितने मुसलमान किसी यूरोपीय देश या अमेरिका में हैं, उतने ही प्रतिशत हिंदू या बौद्ध भी हैं, किंतु ये किसी देश में कभी समस्या नहीं बनते। हर कहीं राजनीतिक इस्लाम दूसरों को निशाना बनाता है, जिसे रोकने के उपाय करने की कोशिश को मुसलमानों को परेशान करना कहा जाता है। वस्तुस्थिति यह है कि हरेक गैर-मुस्लिम देश में अधिकांश मुस्लिम नेता अलगाववादी भावना से चलते हैं। वे पूरे देश पर नियंत्रण या उसे तोड़ने की कोशिश करते हैं। राष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना कर शरीयत की मांग उसी का अंग है। यह धर्म नहीं, राजनीति है। निस्संदेह मुसलमानों के विरुद्ध आम संदेह अनुचित है, किंतु इसे खत्म करने में मुसलमानों की भी जिम्मेदारी है। पहले उन्हें इस्लाम की घोषित काफिर-घृणा को सचमुच बंद करना होगा। 'इस्लामोफोबिया' की शिकायत झूठी है, क्योंकि खुद मुसलमान भी स्वतंत्रतापूर्वक उसके बारे में बोलने से डरते हैं। तमाम इस्लामी नेता धमकी की भाषा बोलते हैं। सेक्युलरिज्म एकतरफा नहीं चल सकता। फ्रांस में लयसिटे और इस्लाम की कशमकश इसी बात पर है। आज नहीं तो कल, इस्लाम की इस मूल टेक को खंडित करना ही होगा कि उसे पूरी दुनिया पर शासन का अधिकार है। इसके बाद ही समान सहजीवन का रास्ता खुलेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

झारखंड के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव रांची में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को राज्य के बजट पत्रों की एक ब्रीफकेस सौंपते हुए ।

लखनऊ में भाजपा सांसद कौशल किशोर के बेटे ने साजिश के तहत खुद पर चलवाई गोली, घायल आयुष की पत्नी का भाई हिरासत में

लखनऊ । राजधानी के मोहनलालगंज सांसद कौशल किशोर के बेटे आयुष को मंगलवार देर रात संदिग्ध हालात में गोली लग गई घायल आयुष को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। आयुष छठा मील में अपने साले के साथ देर रात टहलने निकले थे, इसी दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में उन्हें गोली लग गई। पुलिस का दावा है कि आयुष के लाइसेंसी असलहे से ही गोली चली है, पुलिस आयुष के साले आदर्श (पत्नी का भाई) को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

आयुष को गोली लगने की जानकारी मिलते ही सांसद कौशल किशोर पत्नी जयदेवी के साथ आनन-फानन में ट्रामा सेंटर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। आयुष की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस मामले में पीड़ित परिवार की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है।

पत्नी के भाई ने मारी गोली- उधर, छानबीन में सामने आया कि जिस स्थान पर आयुष को गोली मारने की बात बताई गई वहां लगे सीसी कैमरे में कोई अन्य नजर नहीं आया। पुलिस ने आयुष के साले को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने पूरी बात बता दी। छानबीन में पता चला कि सांसद पुत्र के कहने पर उनके साले ने गोली चलाई थी। आयुष अपने विरोधियों को फंसाना चाहता था। फिलहाल पुलिस इस मामले में आयुष के साले से पूछताछ कर रही है। आयुष के साले के पास से असलहा भी बरामद कर लिया गया है।

लव मैरिज के बाद सांसद पिता से अलग रह रहा था घायल- लखनऊ पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने कहा कि यह घटना रात के करीब 2 बजकर 10 मिनट पर हुई, पहले बताया गया कि सांसद के बेटे पर कुछ अज्ञात हमलावरों ने गोली चलाई, अब तक की तहकीकात में पता चला है कि सांसद के बेटे के कहने पर उसके साले ने गोली चलाई। डीके ठाकुर ने बताया जिस पिस्टल से गोली चली थी, उसे हमने रिकवर कर लिया है, पिछले साल सांसद के बेटे ने लव मैरिज की थी। उसके बाद से वह अपने पिता से अलग रह रहे थे, घटना को लेकर तहकीकात जारी है।

पत्नी का भाई बोला- दुश्मनों को फंसाने के लिए खुद पर चलवाई गोली- आयुष के साले आदर्श ने पुलिस पूछताछ में कहा कि सांसद के बेटे ने कहा था कि किसी को फंसाना है चंदन गुप्ता, मनीष जायसवाल और प्रदीप कुमार सिंह से कोई दुश्मनी थी, इसलिए इन लोगों को फंसाने के लिए साजिश रची गयी। साजशि के तहत हमला करवाकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराये जाने का प्लान था।

संक्षिप्त खबर

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 4 मंडलों के आयुक्त व 6 जिलों के डीएम इधर से उधर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंगलवार देर रात एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। शासन ने रामपुर, बदायूं, चित्रकूट, बस्ती, देवरिया और कानपुर देहात के जिलाधिकारी बदल दिए हैं। इसी प्रकार प्रयागराज, बरेली, मेरठ और मुरादाबाद मंडलों के आयुक्तों के भी तबादले किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की अधिसूचना इसी माह जारी होने से पहले राज्य सरकार ने मंगलवार देर रात बड़े पैमाने पर आइएएस अफसरों के तबादले कर दिए। इन तबादलों के जरिये चार मंडलों में नए आयुक्तों और छह जिलों में नए जिलाधिकारियों की तैनाती के साथ कई अन्य अफसर भी इधर से उधर किये गए हैं। मुख्यमंत्री के सचिव सुरेंद्र सिंह को मेरठ मंडल का आयुक्त बनाया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष सचिव शुभ्रांत शुक्ला को चित्रकूट का नया जिलाधिकारी तैनात किया गया है।

बिहार की जेलों में छापेमारी, पटना की बेउर जेल में दो बार छापा, मोबाइल और चाकू देखकर अधिकारी हैरान

पटना । बिहार की कई जेलों में बुधवार की सुबह एक साथ छापेमारी हुई। जेलों में अल सुबह ही प्रशासन की टीम पहुंच गई और एक-एक वार्ड की जांच की। पटना की बेउर जेल में छापेमारी करने पहुंची प्रशासन की टीम को अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। यहां जेल का गेट खोलने में पर्याप्?त देर की गई। इसके बाद अंदर दाखिल हुई प्रशासन की टीम को कुछ भी हाथ नहीं लगा तो प्रशासन की टीम छापेमारी बंद कर बाहर निकल गई। लेकिन थोड़ी ही देर बाद टीम ने जेल में दोबारा छापेमारी कर दी। इस दौरान सांसद विजय कृष्ण के वार्ड से कई आपत्तिजनक चीजें मिलने की बात सामने आ रही है। अभी तक मिली सूचना के अनुसार पटना की बेउर जेल के साथ ही बक्सर और मोतिहारी केंद्रीय कारा के अलावा गया जिले के शेरघाटी, औरंगाबाद जिले के दाउदनगर, रोहतास जिले के सासाराम, आरा, जहानाबाद, कटिहार, सिवान, छपरा, बेगूसराय और नवादा मंडल कारा में भी छापेमारी हुई है। इस दौरान मोबाइल फोन, चार्जर, चाकू और तंबाकू जैसी कई तरह की आपत्तिजनक चीजें बरामद होने की सूचना मिल रही है।

पिछले दिनों वायरल हुआ था बेउर जेल का वीडियो- पिछले दिनों बेउर जेल का एक वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन की काफी किरकिरी हुई थी। ऐसी कई खबरें सामने आई थीं कि जेल में बंद अपराधी वहीं से अपने इशारे पर आपराधिक वारदातों को अंजाम दिलवा रहे हैं। इसे देखते हुए प्रशासन की यह छापेमारी काफी महत्वपूर्ण है। नवादा मंडल कारा में डीएम यश पाल मीणा, एसपी धूरत सयाली सांवलाराम समेत कई अधिकारियों ने जेल के विभिन्न वार्डों की तलाशी ली। दो घंटे से अधिक समय तक छापेमारी के दौरान 9 मोबाइल, 4 चार्जर, 3 बैट्री समेत अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए किए गए हैं। इतनी संख्या में मोबाइल बरामदगी के बाद अधिकारियों के होश फाख्ता हो गए। सदर एसडीएम उमेश कुमार भारती ने कहा कि निश्चित तौर पर इसमें जेल प्रशासन की लापरवाही है। इस सम्बंध वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी। मोबाइल बरामदगी को लेकर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

बक्सर जेल में मिले कई मोबाइल चार्जर-बक्सर सेंट्रल जेल में भी छापेमारी हुई है। सुबह 6 बजे डीएम अमन समीर और एसपी नीरज सिंह के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस ने जेल के चप्पे चप्पे को खंगाला। अभी तक जेल में कैदियों के वार्ड से कुछ मोबाइल चार्जर के बरामद होने की सूचना है, छापेमारी अभी चल रही है।

आरा जेल से मोबाइल व चार्जर बरामद-भोजपुर जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा और एसपी हर किशोर राय के निर्देशन में बुधवार सुबह पांच बजे से सात बजे तक दो घंटे तक मंडल कारा, आरा में सघन छापेमारी चली। इस दौरान सभी वार्डों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान एक मोबाइल फोन और चार्जर बरामद किया गया है।

वर्षों से पगडंडी के सहारे आवागमन को मजबूर हैं औरंगाबाद के इस गांव के लोग, बरसात में हो जाते हैं कैद

अंबा (औरंगाबाद)। अंबा का राजस्व गांव चिल्हकी बतरे नदी के पश्चिमी छोर पर बसा है। इस गांव में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। एक ओर जहां हर गांव और गली की सड़कें पक्की हो गई हैं, इस अनुसूचित जाति बहुल गांव में ढंग की पगडंडी तक नहीं है। बरसात के दिनों में इस गांव के लोगों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। स्थिति ऐसी है कि अंबा बाजार एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर है लेकिन वहां जाने के लिए गांव के लोगों को दो किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। बतरे नदी पर पुलिया की मांग लंबे समय से होती आ रही है। पुल के ना होने से बच्चों की पढ़ाई तथा महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल मां सतबहिनी मंदिर पहुंचने में मुश्किल होती है। कोई बीमार पड़ जाए तो काफी मुसीबत हो जाती है। ग्रामीणों ने सांसद व विधायक से गुहार लगाते हुए कहा है कि वे उक्त स्थल पर जल्द से जल्द पुलिया अथवा ह्यूम पाइप लगवा दे। मामला उठाए जाने पर पिछले कार्यकाल में विधायक राजेश कुमार ने पुलिया बनवाने का आश्वासन दिया था। एक वर्ष के बाद विधायक ने आरईओ के इंजीनियर को बुलाकर उक्त स्थल का मुआयना कराया। लेकिन बात बनी नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है उक्त स्थल पर एक पुलिया का निर्माण होने से दर्जनों गांव के लोग अंबा बाजार से सीधे जुड़ जाएंगे। लवली, रसलपुर, आरती, परसावां, दीपन परसावां समेत अन्य गांव के लोगों का जीवन आसान हो जाएगा। वर्तमान में एससीए योजना के तहत कुटुंबा बीडीओ ने जिले को प्रस्ताव भेजा परंतु आरईओ ने फिर अड़ंगा लगा दिया।

आरईओ पर पक्षपात का आरोप लगा रहे ग्रामीण-लोगों का कहना है कि आरईओ पूरी तरह से पक्षपात कर रहा है। चिल्हकी गांव के लोगों में खासी नाराजगी है। गांव के उदय पांडेय, विजय पांडेय, विकास पांडेय, परशुराम पांडेय, जितेंद्र पासवान, रविंद्र पासवान आदि ने कहा है की आरईओ अगर पुल बनता नहीं देखना चाहता है तो कम से कम उक्त स्थल पर ह्यूम पाइप लगाकर आने-जाने की व्यवस्था तो करा दे।

सीएम योगी आदित्यनाथ का दावा- यूपी चुनाव में जीतेंगे 350 सीटें, अखिलेश बोले- भाजपा के 45सीटें भी नहीं जीत सकेंगे

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि यूपी में वर्ष 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 350 सीटें हासिल करेगी। हालांकि सीएम योगी के दावे पर सवाल उठाते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी को चुनाव में 45 सीटें भी नहीं मिल सकेंगी। अब यूपी से भाजपा की सरकार जाने वाली है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि यूपी में पिछले चार वर्षों के दौरान सकारात्मक माहौल बना है। पिछली सरकारों में अपराध और दंगे चरम पर थे। निवेशक उत्तर प्रदेश आने से डरते थे। उन्होंने कहा कि यूपी अब एक्सपोर्ट का हब बन रहा है। ये नए भारत का उत्तर प्रदेश है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हम लोगों ने करोड़ों लोगों को रोजगार देने का काम किया। जो मजदूर यूपी लौटा था वह वापस नहीं गया। पिछली सरकार ने यूपी को पीछे धकेला था। अब राज्य देश में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन रहा है।

किसान आंदोलनों को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों को लेकर मेरी पूरी संवेदना है। हर कोई देख रहा है कि किसे कितना समर्थन मिल रहा है। अन्नदाता किसान का सम्मान कोई भी संवेदनशील सरकार करेगी। किसानों के लिए जितना काम पीएम मोदी ने किया, उतना कोई नहीं कर पाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को जो नेतृत्व दिया है वह कोई और कभी नहीं दे सकता है। सीएम योगी ने कहा कि लव जिहाद कानून किसी धर्म के खिलाफ नहीं है। धोखे से शादी करने पर ये कानून काम करेगा।वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ के यूपी में 350 से सीटें जीतने दावे पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पलटवार किया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सबसे पहले सपा ने कहा था कि सभी वर्गों के साथ से पार्टी 2022 के चुनाव में 350 सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी के 45 विधायक भी नहीं जीत पाएंगे। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में टिकट कटने वालों की लिस्ट तैयार की जाएगी। इसके बाद बीजेपी में भगदड़ मचने वाली है। उन्होंने दावा किया उत्तर प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी पर भरोसा करने जा रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में हम किसी बड़े दल से गठबंधन नहीं करेंगे। इस चुनाव में छोटे-छोटे दलों के साथ जनता के बीच में जाएंगे। सपा अपने दम पर विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि योगी सरकार चार साल में कुछ भी नया नहीं कर पाई। बीजेपी अपना घोषणापत्र लागू नहीं कर सकी है। दूसरी सरकारों के प्रोजेक्ट आगे बढ़ा रहे हैं। बीजेपी ने पूरे प्रदेश में बिजली महंगी की है। कोरोना काल में सबसे खराब काम यूपी सरकार ने किया। पुरानी सरकार के कामों को रोक दिया गया है।

आरक्षण सूची जारी होते ही बहुत से उम्मीदवारों के मंसूबों पर फिरा पानी, अब दर्ज होंगी आपत्तियां

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए ग्राम प्रधान, ब्लाक प्रमुख और जिला, क्षेत्र व ग्राम पंचायत सदस्यों का आरक्षण आवंटन मंगलवार को जिलों में शुरू हो गया। करीब 60 प्रतिशत पदों के आरक्षण की अनंतिम सूचियां जारी कर दी गई, जबकि शेष स्थानों पर बुधवार को जारी होंगी।

आरक्षण को लेकर आपत्तियां बुधवार से आगामी आठ मार्च तक दर्ज करायी जा सकती है। आरक्षण सूची जारी होते ही बहुतेरे उम्मीदवारों के मंसूबों पर पानी फिर गया। अब बदलाव कराने के लिए कवायद शुरू कर दी गई है।

नई नीति के अनुसार जिला पंचायत अध्यक्ष के 75 पदों का आरक्षण पहले ही जारी हो चुका है। मंगलवार को प्रदेश के 3051 जिला पंचायत वार्ड, 826 ब्लाक प्रमुख, 75,855 क्षेत्र पंचायत सदस्य, 58,194 ग्राम प्रधान व 7,31,813 ग्राम पंचायत सदस्य पदों के लिए आरक्षण आवंटन आरंभ किया गया। उपनिदेशक पंचायतीराज आरएस चौधरी ने बताया कि आठ मार्च तक आपत्तियों का नौ मार्च को एकत्रीकरण करने बाद 12 मार्च तक निस्तारण कर दिया जाएगा। 15 मार्च को अंतिम सूची जिला व ब्लाक मुख्यालयों पर चस्पा कर दी जाएगी। आपत्ति निस्तारण के लिए जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित की गई हैं।

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के लिए कई जिलों में आरक्षण सूची जारी कर दी गई है। कुछ जिलों की लिस्ट आज आएगी। जिन जिलों की लिस्ट आ गई है, उनमें वाराणसी, कन्नौज, रामपुर, मिर्जापुर, अमेठी, मुरादाबाद, मेरठ, बलिया, गाजीपुर, भदोही, बांदा, प्रतापगढ़, फतेहुपुर, हरदोई, गाजियाबाद, संभल, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, आगरा आदि जिले शामिल हैं। इनके अलावा अन्य जिलों की आज लिस्ट आज आएगी। यह लिस्ट सभी जिलों में जिलाधिकारी कार्यलय, विकास भवन, पंचायत भवन या ब्लॉक पर चिपकाई जा रही हैं।

आरक्षण सूची जारी होते ही चुनावी हलचल गांव-गांव शुरू हो जाएगी। बताया जा रहा है कि 26 मार्च को आदर्श आचार संहिता लागू होने की संभावना है।

सीएम नीतीश व उपेंद्र कुशवाहा को लेकर बड़ी खबर, होली के पहले साथ आ सकते हैं जेडीयू व आरएलएसपी

पटना । राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जनता दल यूनाइटेड में विलय या एलायंस कब होगा, इसकी घोषणा जल्द उपेंद्र कुशवाहा कर सकते हैं। फिलहाल, वे अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से अंतिम रूप से सलाह-मशविरा में जुटे हैं। जेडीयू के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद बशिष्ठ नारायण सिंह ने फिर दावा किया है कि आरएलएसपी का जेडीयू में विलय संभव है। उपेंद्र कुशवाहा से लगातार बातचीत चल रही है। इससे राजनीतिक गलियारे में आरएलएसपी के जेडीयू में विलय की चर्चा तेज हो गई है। इसपर उपेंद्र कुशवाहा अभी बोलने से परहेज कर रहे हैं। हालांकि, उनके कुछ करीबी नेताओं से बताया कि इसपर कुशवाहा ही अंतिम फैसला करेंगे। सबकुछ जल्द स्पष्ट हो जाएगा।

पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई वाली पार्टी जेडीयू खुद को मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। जेडीयू लव-कुश समीकरण को साधने के हर संभव प्रयास में है। यदि उपेंद्र कुशवाहा जेडीयू में जाते हैं तो उसे एक बड़ा कुशवाहा बिरादरी को नेता मिल जाएगा। फिलहाल उनके कद का कोई नेता जेडीयू में नहीं है। आरएलएसपी के वरिष्ठ नेताओं को भी यह संकेत दे दिया गया है कि होली से पहले नई पारी के साथ होली खेलने के लिए तैयार रहें। उम्मीद की जा रही है कि दो सप्ताह के अंदर यह विलय संपन्न हो जाएगा। आरएलएसपी के एक बड़े नेता ने बताया कि उपेंद्र कुशवाहा को जेडीयू में बड़ी जिम्मेदारी के साथ कोई बड़ा रोल मिल सकता है। यहां बता दें कि उपेंद्र कुशवाहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बशिष्ठ नारायण सिंह से कई मुलाकातें हो चुकी हैं।

उपेंद्र कुशवाहा करेंगे अंतिम फैसला-इस संबंध में आरएलएसपी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव माधव आनंद ने सधा बयान दिया है। उन्होंने जेडीयू में आरएलएसपी के विलय पर कहा कि इस बाबत राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा फैसला करेंगे।

छपरा के जिस प्रेमी का पता तक नहीं जानती, बंगाल की महिला ने उसे पाने के लिए बेटे को मार डाला

छपरा । जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र के चिरांद गांव में एक महिला ने मंगलवार की रात में अपने ही पुत्र की हत्या कर दी। शव को छिपाते समय बंगाल की उक्त महिला को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को बुधवार को सौंप दिया। पुलिस ने बच्चे के शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। चौकीदार के बयान पर महिला के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बताया जाता है कि गिरफ्तार महिला पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के डुमरी मुहल्ले के निवासी राजू सरकार की पत्नी बबली खातून है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बबली खातून को डोरीगंज के किसी राहुल सिंह ने फोन करके बुलाया था। महिला के पहुंचने पर शादीशुदा होने व बच?चा होने के कारण उसे रखने से प्रेमी ने इंकार कर दिया।

महिला का कहना है कि अपने प्रेमी राहुल को पाने के लिए उसने अपने तीन वर्षीय पुत्र की हत्या कर दी। पुत्र के शव को झाड़ी में छिपा रही थी, इसी दौरान आसपास के लोगों ने देख लिया तथा उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बबली खातून को बुलाने वाला राहुल कौन है, अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार महिला से सघन पूछताछ की जा रही है।

इस संबंध में डोरीगंज थाना अध्यक्ष ने बताया कि उक्त महिला और छपरा का रहने वाला युवक सिलीगुड़ी में काम करते थे। वहीं पर युवक का प्रेम प्रसंग महिला के साथ हुआ। इसके बाद युवक उसे घर लेकर आ रहा था, लेकिन उसने बच्चे के साथ घर जाने से इनकार कर दिया।

प्रेमी का पता तक नहीं जानती महिला- इसके बाद महिला ने बच्चे की हत्या कर गांव की बसवारी में शव को फेंकने जा रही थी। ग्रामीणों के शोर मचाने पर युवक फरार हो गया, जबकि महिला पकड़ी गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार महिला को उसके प्रेमी के बारे में कोई सही जानकारी नहीं है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- यूपी में सुरक्षित नहीं हैं बेटियां, हाथरस कांड भाजपा के लिए शर्मनाक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राज में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। हाथरस की बेटी के बाद अब वहीं की एक और बेटी के साथ हुई छेड़खानी की शिकायत पर पिता की सरेआम हत्या कर दी गई। बेटी रोते हुए न्याय की गुहार लगाती रही। यह कांड भाजपा के लिए शर्मनाक है। सवाल उठाया कि भाजपा के रामराज में अपहरण, दुष्कर्म क्यों हो रहे हैं बोले- मुख्यमंत्री का इधर ध्यान नहीं है।

वे बंगाल और केरल में भ्रमित करने के लिए चुनाव प्रचार में जा रहे हैं जहां की बोली-भाषा भी वे नहीं जानते हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस, बसपा और भाजपा छोड़ आए नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहा कि सपा में लगातार लोगों के शामिल होने से स्पष्ट है कि प्रदेश की जनता अब परिवर्तन के लिए तैयार है। सरकार ने कृषि सुधार के नाम पर तीन काले कानून लाकर एमएसपी खत्म कर दी है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अपने ऊपर लगे गंभीर मुकदमे खुद वापस ले लिए, लेकिन गरीबों पर मुकदमे लगाए जा रहे हैं।

पूर्व विधायक रामकृपाल कोल सहित कई नेता सपा में शामिल - सपा में शामिल होने वाले नेताओं में कोरांव, इलाहाबाद से पूर्व विधायक रामकृपाल कोल और कामता सिंह बघेल हैं।

इन्होंने कांग्रेस छोड़ सपा की सदस्यता ली। वाराणसी के संजीव वर्मा व संतोष कुमार सेठ भी भाजपा से सपा में आए हैं। बसपा से तिर्वा कन्नौज के देवेन्द्र प्रताप सिंह स्वर्णकार, अमेठी के डॉ. केडी पासी, उतरौला बलरामपुर के परवेज उमर अहमद तथा रेहान उमर ने मंगलवार को साइकिल थामी।

बुलंदशहर में खौफनाक वारदात, सिरफिरे ने पत्नी व दो बेटियों की हथौड़े से मारकर की हत्या, एक बेटी गंभीर

बुलंदशहर । उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में एक सिरफिरे ने मंगलवार की देर रात अपनी पत्नी और दो बेटियों की हत्या कर दी, जबकि एक बेटी की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना बुलंदशहर जिले के नगर क्षेत्र के शिकारपुर में मोहल्ला अंबेडकर नगर की है। यहां एक सिरफिरे ने अपनी पत्नी और दो बेटियों को मौत के घाट उतार दिया है। एक बेटी गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने सभी की हथौड़े से मारकर हत्या की है। अभी हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। हत्या करने के बाद आरोपी फरार हो गया है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है, साथ ही फोरेंसिक की टीम ने भी जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

घटनाक्रम के अनुसार अंबेडकर नगर निवासी सईद ने बीती रात अपनी पत्नी शकीला (50 वर्ष) एवं दो बेटियां रजिया (20वर्ष), शबाना (15वर्ष) और सुल्ताना (18 वर्ष) पर हथोड़ा से प्रहार कर दिया, जिसमें पत्नी शकीला और दो बेटियों रजिया व शबाना की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरी बेटी फातिमा गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि रात करीब 12-30 बजे के करीब की हैं। घर के सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे।

एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच पड़ताल में सामने आया है कि आरोपी पिता को अपनी दोनों बेटियों के चरित्र पर शक था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। अभी तक इस मामले की तहरीर पुलिस को नहीं मिली है। आरोपी के दो बेटे दिल्ली में रहते हैं। उनको सूचना दी गई है, वह भी मौके पर पहुंच रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस जुट गई है। इसके लिए टीम गठित की गई है।

सिपाही से अवैध संबंध में बिखर गया विवाहिता का परिवार... न घर की, न घाट की...

रांची । जिस आशिक के चक?कर में विवाहिता ने अपने पति और बच्चों समेत घर-बार छोड़ दिया। उस प्रेने 2 साल तक मौज-मस्ती करने के बाद अब विवाहिता को घर से बाहर कर दिया है। शादी का झांसा देकर 2 साल तक लगातार यौन शोषण किए जाने के मामले में राजधानी रांची के जगन्नाथपुर थानेदार पर एफआइआर दर्ज नहीं करने का आरोप लगा है। पीड़ित महिला ने बताया है कि शादी का झांसा देकर यौन शोषण किए जाने संबंधित मामले की शिकायत लेकर वे जगन्नाथपुर थानेदार के पास तीन बार गए। लेकिन थानेदार ने कहा बाहर ही मामले को सलटाओ।

इसके बाद पीड़िता एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा से मिली और शिकायत की। इसके बाद एसएसपी ने जगन्नाथपुर थानेदार को कार्रवाई का निर्देश दिया। महिला ने एसएसपी को दिए आवेदन में बताया है कि आइआरबी टू मुसाबनी में पोस्टेड जवान रामविलास यादव ने शादी का झांसा देकर दो साल तक लगातार उसका यौन शोषण किया।

करीब दो ससाल पहले जब वह जगन्नाथपुर इलाके के एक होटल में काम करती थी, तब जवान वहां पहुंचा और जमशेदपुर के चायपत्ती फैक्ट्री में काम दिलाने का झांसा देकर जमशेदपुर ले गया। इस दौरान उसे गुरु बहन बनाने का झांसा दिया था। जमशेदपुर ले जाने के बाद वहां जबरन शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद वहीं रखकर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। एक बार यूपी भी ले गया था। वहां पत्नी के विरोध के बाद दोबारा जमशेदपुर ले जाकर यौन शोषण करता रहा।

फोन करने पर दी धमकी

इधर, हाल में आरोपित आइआरबी जवान बहाने से लाकर रांची में छोड़ दिया। इसके बाद गायब हो गया। फोन करने पर जान से मारने की धमकी दी। महिला पहले से विवाहित है, पति और बच्चों को छुड़वाकर धोखा दिया। अब धमकी दे रहा है। धमकी से महिला डरी हुई है।

रांची की महिला थाने की पुलिस ने पत्नी से दहेज के लिए मारपीट करने के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

जम्मू के बाहरी इलाके में कोरोनोवायरस महामारी के कारण मार्च 2020 को बंद होने के बाद स्कूलों को फिर से खोलने के बाद, छात्र घोड़ेगाड़ी पर अपने स्कूल जाते हुए।

चुनाव का गुजरात मॉडल भाजपा शासित अन्य राज्यों के लिए भी बढ़ाएगा चुनौती

नई दिल्ली । अपने विकास कार्यों के लिए चर्चित रहा गुजरात मॉडल अब अपनी चुनावी रणनीति के लिए भी चर्चा में आ गया है। यह चुनावी मॉडल केवल विपक्ष ही नहीं, बल्कि भाजपा की प्रदेश इकाइयों के लिए भी चुनौती बनकर उभरने लगा है। बहुत मुश्किल से सत्ता में वापसी करने में सफल रही गुजरात भाजपा ने न सिर्फ चुनावी तासीर बदल दी है बल्कि अगले विधानसभा चुनाव के लिए सौ फीसद सीटें जीतने का लक्ष्य रख दिया है।

जाहिर है कि दूसरे सभी भाजपा शासित राज्यों के लिए भी भविष्य में न सिर्फ सरकार बनाना लक्ष्य होगा बल्कि और बड़ी संख्या में वापसी का मंत्र तलाशना होगा। गुजरात के 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा लगातार छठी बार जीत हासिल करने में सफल रही थी। लेकिन एक चेतावनी के साथ कि प्रधानमंत्री मोदी

और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के केंद्रीय राजनीति में जाने के बाद कांग्रेस के लिए परिस्थिति बदलने का मौका है। भाजपा 182 सीटों वाली विधानसभा में 99 सीटों पर अटक गई थी। गुजरात मॉडल बिखरने की आहट शुरू हो गई थी, लेकिन पिछले दो वर्षों में भाजपा ने वहां न सिर्फ वापसी की बल्कि विपक्ष के साथ-साथ भाजपा के अंदर भी एक बड़ी चुनौती पेश कर दी है।

99 से 182 की ऊंची छलांग का लक्ष्य रख गुजरात भाजपा ने तेज किए कदम- गुजरात पहला राज्य है, जहां किसी भी दल ने सौ फीसद सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है और उपचुनाव के बाद महानगरपालिका और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 80 फीसद सीटें जीतकर यह संकेत भी दे दिया है कि वह सौ फीसद की ओर बढ़ रही है। प्रदेश में कांग्रेस घुटने टेकने लगी है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां के प्रदेश अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया है। लेकिन सूत्रों की मानें तो भाजपा शासित राज्यों में प्रदर्शन का दबाव बढ़ने लगा है।

ध्यान रहे कि असम में चुनाव है। पिछली बार भाजपा ने वहां 126 में 60 सीटें जीती थीं और अन्य सहयोगियों के साथ उसकी 86 सीटें आई थीं। इस बार एक सहयोगी साथ छोड़ चुका है। जबकि कांग्रेस अपने सबसे बड़े नेता तरुण गोगोई की गैरमौजूदगी में किसी भी सर्वमान्य नेता के बगैर चुनाव लड़ रही है। ऐसे में असम के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल और मंत्री व रणनीतिकार हिमंता बिस्व सरमा पर गुजरात मॉडल का दबाव रहेगा।

अगले साल देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में मतदान है। पिछली बार वहां भाजपा ने 325 सीटों के साथ अभूतपूर्व प्रदर्शन किया था। पांच साल के बाद कम से कम उसी प्रदर्शन को दोहराने का दबाव रहेगा। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नीति आयोग की बैठकों में लगातार कहते रहे हैं कि विकास के मामले में राज्यों को एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेताओं के बीच गुजरात मॉडल प्रतिस्पर्धा बढ़ाएगा। लिहाजा, भाजपा की प्रदेश इकाइयों को अपना मानक बढ़ाना होगा।

एक नजर

बड़गांव में स्वर्ण व्यवसायी की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या, आभूषण भरा बैग लेकर लुटेरे फरार

राउरकेला । सुंदरगढ़ जिले के बड़गांव डाक घर के पास स्थित मां मंगला ज्वेलरी के मालिक 28 वर्षीय रोहित वर्मा की सोमवार को दिन दहाड़े गोली मार कर हत्या कर दी एवं आभूषण भरा बैग लेकर फरार हो गए। लुटेरों को पकड़ने गए एक वृद्ध पर भी फायरिंग की गई। कमर में गोली लगने के कारण उसकी हालत नाजुक है। उसे इलाज के लिए राउरकेला के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर लुटेरों की तलाश में जुटी है। मां मंगला ज्वेलरी में अक्टूबर महीने में सेंधमारी कर पांच लाख से अधिक के आभूषणों की चोरी की घटना के बाद मालिक रोहित वर्मा हर दिन शाम को दुकान बंद करने के बाद आभूषण लेकर अपने घर चला जाता था एवं दूसरे दिन सुबह उसे लेकर दुकान आता था। लुटेरों की निगाहें उसके आभूषण भरे बैग पर थी। सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे रोहित आभूषण भरा बैग लेकर दुकान के पास पहुंचा ही था कि तीन युवक एक बाइक से वहां पहुंचे और बैग लूटने लगे। विरोध करने पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी जिसमें उसे एक गोली सीने में और एक गोली पेट में लग कर आर पार हो गई जिससे वह गिर गया। लुटेरे बाइक में भागने की कोशिश कर रही रहे थे कि पास के एक दुकानदार 63 वर्षीय सरोज दास ने हिम्मत दिखाते हुए एक लुटेरे को पीछे से खींच लिया। जिससे वह गिर गया। साथी उसे बचाने के लिए फिर से फायरिंग किए जिससे एक गोली उसके कमर में लगी जिससे वह भी गिर गया। दो लुटेरे बाइक से भाग गए जबकि एक लुटेरा जो गिरकर जख्मी हुआ था वह तेजी से दौड़ कर खेत की ओर भाग गया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची और लुटेरों की तलाश करने के साथ ही जख्मी लोगों को एंबुलेंस से राउरकेला के दांडियापाली स्थित निजी अस्पताल में भेजा। यहां पहुंचने से पहले ही रोहित की मौत हो गई थी जबकि सरोज दास की हालत नाजुक बनी है। पुलिस की ओर से भागे लुटेरों की तलाश करने के साथ ही मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरु की है।

केरल सीएम के दामाद समेत तीन को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज गया, जानें- पूरा मामला

कोझिकोड । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी -मर्क्सवादी (सीपीएम) के नेता पीए मोहम्मद रियास, टीवी राजेश और केके दिनेश को कोझीकोड अदालत ने 14 दिनों के लिए एयर इंडिया द्वारा उड़ानों को रद्द करने और हवाई किराए में वृद्धि का विरोध करने के लिए एक मामले के सिलसिले में रिमांड पर भेजा है। रियास केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के दामाद हैं। वह पार्टी की युवा शाखा - डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

राजेश कन्नूर जिले से दो बार के विधायक हैं। उन्होंने 2009 में एयर इंडिया के खिलाफ विरोध शुरू किया था। केके दिनेश डीवाईएफआई के नेता हैं। सीपीएम नेताओं के खिलाफ 2009 में कोझीकोड में एयर इंडिया के खिलाफ विरोध करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। नेताओं ने मामले में जमानत प्राप्त की थी और जमानत अवधि समाप्त होने के बाद, उन्होंने फिर से जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। हालांकि, अदालत ने उन्हें रिमांड पर भेज दिया। विशेष रूप से, विरोध के समय टीवी राजेश डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया के राज्य सचिव थे और मुहम्मद रियास संगठन के संयुक्त सचिव थे।

अभी खतरा टला नहीं, देश में फिर से कोरोना महामारी के मामले आना चिंतनीय

नई दिल्ली । दुर्घटना तभी होती है जब कहीं लापरवाही होती है। वैश्विक महामारी कोविड 19 ने पूरे विश्व को परेशान कर रखा है। इससे भारी क्षति हो चुकी है। हिदायतों और सावधानी से इस पर कुछ हद तक नियंत्रण पाने के बाद अब गतिविधियां पटरी पर लौट रही हैं, लेकिन महामारी ने फिर सिर उठाना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में भी स्थितियां सही नहीं हैं। राज्य में सोमवार को 132 नए मामले सामने आए हैं। इनमें 98 मामले सिर्फ धर्मशाला में ही आए हैं। सोलन जिले में एक शिक्षिका समेत पांच विद्यार्थी भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। चिंता की बात है कि 53 दिन के बाद कोरोना संक्रमण के एक दिन में इतनी अधिक संख्या में मामले आए हैं। अब लगभग सभी गतिविधियां पटरी पर लौट रही हैं, लेकिन यह समझना कि खतरा टल गया है, सही नहीं हैं। अब फिर से महामारी के मामले सामने आने से लगता है कि लोग इसके प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं। नियमों का पालन किया जाना अब भी उतना ही जरूरी है। सार्वजनिक स्थलों पर अब लोग न तो मास्क का प्रयोग कर रहे हैं, न ही शारीरिक दूरी के नियम का पालन किया जा रहा है।

प्रशासनिक तौर पर जो सख्ती पहले की जा रही थी, वह भी अब नहीं दिखती है। यह सही है कि कोरोना से बचाव की वैक्सीन तैयार हो गई है और इसे चरणबद्ध तरीके से लोगों को लगाया जा रहा है, लेकिन इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि अब महामारी से बचने की हिदायतों को भूल जाएं। स्वास्थ्य विभाग की हिदायतों का पालन किया जाना जरूरी है। इस बात को भी समझना चाहिए कि मास्क और शारीरिक दूरी सिर्फ कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए ही जरूरी नहीं है, इससे कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है। अभी सीमित संख्या में ही कोरोना की वैक्सीन तैयार हो पाई है, इसी कारण चरणबद्ध तरीके से यह दी जा रही है। लोगों को चाहिए कि स्वास्थ्य विभाग जो भी हिदायतें जारी कर रहा है उनका सख्ती से पालन किया जाए।

सीरोपॉजिटिव लोगों में सात दिन बाद ही एंटीबॉडीज का स्तर बढ़ा देती है वैक्सीन

नई दिल्ली । सीरोपॉजिटिव लोगों पर कोरोना रोधी वैक्सीन के पहले डोज का असर हफ्ते भर में ही दिखने लगता है। 135 लोगों पर कराए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि जो लोग सीरोपॉजिटिव थे, उनमें टीका लगाने के सात दिन बाद ही एंटीबॉडीज का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ गया। सीरोपॉजिटिव लोग वो हैं, जो कभी न कभी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और उनमें एंटीबॉडीज की मौजूदगी की ज्यादा संभावना रहती है।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आइजीआइबी) और मैक्स अस्पताल द्वारा यह अध्ययन किया गया।

बंगाल रणनीति- बांग्लादेश में मतुआ समुदाय के तीर्थस्थल का दौरा करेंगे पीएम मोदी

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाने वाले तथा 70 से अधिक सीटों पर प्रभाव रखने वाले मतुआ समुदाय के वोट बैंक को आकर्षित करने के लिए भाजपा ने एक और मास्टर स्ट्रोक खेला है। 27 मार्च को बंगाल में मतदान शुरू हो रहा है। इसके पहले 26 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश के सफर को होंगे तथा वह अगले दिन 27 मार्च को गोपालगंज के तुंगीपाड़ा में बांग्लादेश के संस्थापक तथा पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के पैतृक घर का दौरा करने वाले हैं। लगे हाथ वह मतुआ समुदाय के धर्मगुरु हरिचांद ठाकुर की जन्मस्थली तथा मतुआ समुदाय के तीर्थ स्थल गोपालगंज के उड़ाकांदी का दौरा करेंगे।

सूत्रों का कहना है कि पीएम के साथ बंगाल में मतुआ समुदाय से आने वाले बनगांव के भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर भी रह सकते हैं। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मानना है कि अगर प्रधानमंत्री वहां जाते हैं और हरिचांद-गुरुचांद ठाकुर को श्रद्धांजलि देते हैं तो भाजपा के लिए बंगाल में मतुआ वोट जीतना आसान होगा। क्योंकि भारत का कोई अन्य प्रधानमंत्री वहां नहीं गया है। मतुआ महासंघ के केंद्रीय नेता सुशील मल्लिक का कहना है कि अगर पीएम मोदी ऐसा करते हैं तो वह दुनिया भर में फैले पांच करोड़ से अधिक मतुआ के दिलों में जगह बना लेंगे। क्योंकि वह देश के पहले पीएम होंगे जो मतुआ समुदाय के तीर्थ स्थल का दौरा करेंगे। उसके बाद अगर

प्रधानमंत्री मतुआ समुदाय को बिना शर्त नागरिकता देने की घोषणा करते हैं जो शरणार्थी के रूप में भारत गए, तो वह इस समुदाय के लोगों का दिल जीत लेंगे। मतुआ समुदाय के धर्मगुरु हरिचांद ठाकुर का जन्म 11 मार्च 1812 को उड़ाकांदी में हुआ था। उनकी वाणी तथा उनके उपदेशों को उनके बेटे गुरुचांद ठाकुर ने पूरे बंगाल में फैलाया था। गुरुचांद ठाकुर का जन्म भी उड़ाकांदी में हुआ था। इस सुदूर गांव में एक मंदिर है, जिसे मतुआ समुदाय का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान माना जाता है। बांग्लादेश प्रशासन के सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने ढाका से तुंगीपाड़ा के साथ उड़ाकांदी मतुआ मंदिर, बरिशाल के शिकारपुर में सती पीठ के रूप में जानी जाने वाली सुगंध शक्ति पीठ, कुस्तिया के सिलाईदह में रवींद्रनाथ ठाकुर की की कुठीबाड़ी और बाघाजतिन के बसतबाड़ी देखने की इच्छा जाहिर की है।

बाकी जगह कोई समस्या नहीं है, लेकिन उड़ाकांदी से समस्या जुड़ी हुई है। क्योंकि, बांग्लादेश प्रशासन के अनुसार, मोदी की तरह वीवीआइपी की यात्रा के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा नहीं है। काफिला भीड़भाड़ वाली सड़कों में प्रवेश नहीं कर पाएगा और पास में हेलीपैड बनाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। हालांकि, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि भारत आग्रह कर रहा है कि पीएम के दौरे से उड़ाकांदी के कार्यक्रम को बाहर न किया जाए। लेकिन वे चिंतित हैं। क्योंकि इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान जब भारत की उच्चायुक्त वीणा सीकरी उड़ाकांदी आई थीं तो भीड़ के कारण कई लोग कुचल गए थे। गत शुक्रवार को बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग के नौ सदस्यों के एक दल ने सुगंध शक्ति पीठ और साथ ही उड़ाकांदी का दौरा किया। स्थानीय प्रशासन ने मांग की है कि मोदी की यात्रा की व्यवस्था की जाए।

पत्रकार को जिलाधिकारी ने भेजा नोटिस, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा- आपको कोई अधिकार नहीं

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पिछले दिनों सोशल मीडिया और ओटीटी (ओवर द टॉप) प्लेटफॉर्म को लेकर नए दिशानिर्देश जारी करते हुए साफ कर दिया था कि अब इनपर कड़ी निगाह रखी जाएंगी। अब यह भी साफ हो गया है कि नए नियम के अंतर्गत राज्य के अधिकारियों को कोई अधिकार नहीं दिया गया है। हाल ही में नए नियमों के अंतर्गत मणिपुर में एक जिलाधिकारी ने एक पत्रकार और एक टॉक शो के प्रोड्यूसर को नोटिस भेजा था। इसके बाद केंद्र की ओर से मणिपुर अधिकारी को एक पत्र जारी कर बताया गया कि उनके पास नोटिस जारी करना का अधिकार नहीं है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय मणिपुर स्थित इम्फाल के जिलाधिकारी की कार्रवाही को गतल ठहराते हुए इसे केंद्र के अधिकारों का अतिक्रमण बताया है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अमित खरे ने मणिपुर के मुख्य सचिव राजेश कुमार को पत्र लिखा है, केंद्र सरकार ने 25 फरवरी को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 की अधिसूचना जारी की थी। इसके तहत किसी को नोटिस जारी करने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार के पास है। इस नियम के तहत किसी राय सरकार, जिलाधिकारी या पुलिस कमिश्नर को कार्रवाही नहीं कर सकती है। बता दें कि 1 मार्च को भेजे गए पत्र में इम्फाल पश्चिम के जिलाधिकारी नोआराम प्रवीन सिंह और खन्नासी नीनासी के प्रकाशक का जिक्र किया गया है।

बता दें कि केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय की तरफ से हस्तक्षेप किए जाने के बाद खानसी नीनासी के प्रकाशक को दिया गया नोटिस तुरंत वापस ले लिया गया।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देश में ओटीटी पर दिखाई जाने वाली सामग्री के लिए स्वनियमन की बात की गई है। हालांकि, ये नियमन कैसे हो और इसका दायरा क्या हो इसको भी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है। यह स्पष्ट कर दिया गया है कि कोई भी प्लेटफॉर्म भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को आघात पहुंचाने वाले दृश्य और संवाद नहीं दिखाएंगे। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से कलात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में ओटीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से निरंतर आपत्तिजनक कंटेट परोसा जा रहा है।

रिक्शा चलाने को मजबूर है पूर्व सैनिक, भारत-चीन युद्ध में मिला था विशेष सम्मान

हैदराबाद । 971 में भारत-चीन के बीच हुए युद्ध में विशेष पुरस्कार से नवाजे गए पूर्व सैनिक अब अपनी जीविका के लिए हैदराबाद की सड़कों पर ऑटोरिक्शा चलाने को मजबूर हैं। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार से मदद की अपील की है। पूर्व सेना के जवान शेख अब्दुल करीम को युद्ध में उनके योगदान के लिए स्टार मेडल दिया गया था।

करीम ने बताया कि अपने पिता की मृत्यु के बाद वह 1964 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उनके पिता पहले ब्रिटिश सेना के लिए काम करते थे और बाद में वह भारतीय सेना में शामिल हो गए। उन्होंने बताया कि 1971 के भारत-चीन युद्ध के दौरान वह लाहौल क्षेत्र में तैनात थे। इसके लिए करीम को स्टार मेडल से सम्मानित किया गया और 1971 में विशेष पुरस्कार भी मिला।

पूर्व सैनिक ने बताया कि इंदिरा गांधी के शासनकाल के दौरान कई सैनिकों को निकाल दिया गया था, जिसमें वह भी शामिल थे। सेना में रहते हुए करीम ने सरकारी जमीन के लिए आवेदन किया और तेलंगाना के गोलापल्ली गांव में पांच एकड़ जमीन दी गई। उन्होंने कहा कि लगभग 20 सालों के बाद उस 5 एकड़ जमीन को गांव के सात लोगों में बांट दिया गया। इशकी शिकायत करने के बाद मुझे उसी सर्वेक्षण संख्या के तहत एक और पांच एकड़ जमीन देने की पेशकश की गई थी, लेकिन लगभग एक साल बाद भी भूमि विवरण का दस्तावेज तैयार नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि सेना से निकाले जाने के बाद उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनके पास घर भी नहीं है और वर्तमान में 71 वर्ष की आयु में अपने परिवार को खिलाने के लिए ऑटो-रिक्शा चला रहे हैं। %मैंने नौ साल तक सेना के जवान के रूप में इस देश को अपनी सेवाएं दीं, लेकिन मुझे हटा दिया गया और अब 71 साल की उम्र में एक ऑटो-रिक्शा चला रहा हूं। मेरे परिवार को खाना खिलाना मुश्किल हो गया है। मेरे पास अपना घर भी नहीं है जिससे मैं अपने परिवार की देखभाल कर सकूं।उन्होंने सरकार से अपील की है कि राज्य के गरीबों को दिए जाने वाले डबल बेडरूम फ्लैटों को बेघर हुए पूर्व सैनिकों को भी दिया दाए।

ऐतिह्य कारिडर विकास की भेंट चढ़ गई, श्रीक्षेत्र धाम की कंसारीपटी परंपरा

भुवनेश्वर । श्रीमंदिर ऐतिह्य कारिडर के विकास के लिए कंसारीपटी को मिट्टी में मिला दिया गया है। इसके साथ ही श्रीक्षेत्र धाम में चली आ रही पटी परंपरा अब हमेशा के लिए खत्म हो गई है। श्रीक्षेत्र धाम की पटी परंपरा एक विशेष परिचय वहन करती थी। सालों सालों से श्रीमंदिर के चारों तरफ यह पटी परंपरा चली आ रही थी। इसमें साड़ी पट्टी, सोना आभूषण पट्टी, कांसा बर्तन पट्टी प्रमुख थे।

साड़ी पट्टी में केवल साड़ी की ही दुकान थी। एक ही जगह पर एकाधिक साड़ी के दुकानदार अपना व्यवसाय कर रहे थे। उसी तरह से चुड़ा पट्टी में केवल चुड़ा ही मिलता था। इस पट्टी में एकाधिक चुड़ा दुकान थी। सोनापट्टी में सोना की दुकान थी एवं कांसा पट्टी में कासा बर्तन की दुकान थी। ऐसे में पुरी के लोग हो या फिर पर्यटक जरूरत के हिसाब से सामान खरीदने के लिए सीधे यहां आते थे। हालांकि अब यह पट्टी परंपरा ध्वंस हो गई है। ऐतिह्य कारिडर के लिए जिला प्रशासन ने पहले साड़ीपट्टी को तोड़कर मिट्टी में मिला दिया। इसके बाद चुड़ा पट्टी एवं सुना पट्टी एवं फिर कांसा पट्टी को तोड़ दिया गया है।

श्रीमंदिर के चारों तरफ 75 मीटर परिधि में आने वाले सिंहद्वार के सामने मौजूद राधा बल्लभ मठ के कुछ हिस्से को तोड़ दिया गया है। मठ की तरफ से किराये पर दी गई 10 से अधिक दुकान घर को तोड़ा गया है, जिसे कंसारीपट्टी कहा जाता था। कांसे के बर्तन से लेकर देवी-देवताओं की मूर्ति, घंट-घंटा आदि पूजा की सामग्री यहां पर मिलती थी, जिसे अब तोड़ दिया गया है। जिला प्रशासन की तरफ से पहले से इन दुकानदारों को नोटिस दिया गया था।

नोटिस मिलने के बाद दुकानदारों ने अपनी दुकानें खाली कर दी थी। इस मठ के कारण सिंहद्वार के सामने जगह कम होने से भक्तों की भारी भीड़ लग जाती थी। राजनअर से लेकर दोलमंडप साही तक भक्तों की भीड़ होती थी। मठ घर एवं इन सब दुकानों को तोड़ दिए जाने से सिंहद्वार के सामने इस समस्या का समाधान होने की उम्मीद जतायी जा रही है। गौरतलब है कि सन् 1737 लाला सेवक राम ने खुद जगह खरीदकर राधा बल्लभ मठ को बनवाया था। राधा बल्लभ मठ के महंत रामकृष्ण दास महाराज महाप्रभु की चामरसेवा मुहैया कराते हैं। श्रीमंदिर के अन्दर भी मठ का मंदिर है, जहां पर प्रभु राधा बल्लभ की पूजा होती है।

शुरुआत में ही पारा 40 के पार, अप्रैल-मई में भयंकर होंगे आसार; मौसम विभाग का अलर्ट

भुवनेश्वर । ओडिशा में अभी से पड़ रही भीषण गर्मी के कारण आम जनजीवन प्रभावित होने लगा है। दोपहर के समय गर्म हवाएं शुरू हो गई हैं। तेज धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी की अभी तो शुरुआत भर है। अप्रैल मई का महीना तो अभी बाकी है। 1 मार्च को ही तापमान कुछ शहरों में 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया।

ओडिशा में फरवरी महीने के अंतिम सप्ताह से शुरू हुआ सूर्यदेव का प्रकोप दिन प्रतिदिन लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मौसम विभाग की माने तो इस साल सूर्य देव का कोप केवल ओडिशा ही नहीं बल्कि इसके पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ एवं आंध्र प्रदेश में भी देखा जा रहा है। गोवा एवं गुजरात में भी इस साल अधिक गर्मी पड़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर एवं उत्तर पश्चिम भारत में इस साल भारी गर्मी पड़ेगी।

यहां लोगों की चिंता इस बात को लेकर बढ़ गई है कि जब अभी से इस तरह की गर्मी पड़नी शुरू हो गई है तो फिर मार्च से मई महीने तक क्या हालत होने वाली है। इस साल इन राज्यों के साथ ओडिशा सर्वाधिक गर्म राज्य बन सकता है। भारतीय मौसम विभाग की तरफ से इस संदर्भ में अनुमान लगाया गया है। बंगाल की खाड़ी की जलवायु को आधार कर बनने वाले ला-निनो के कारण इस तरह से गर्मी पड़ रही है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कोंकण गोवा, गुजरात आदि राज्य पर मार्च से मई महीने तक सूर्यदेव का प्रकोप अधिक होने का पूर्वानुमान किया गया है। फरवरी महीने के अंतिम सप्ताह एवं मार्च के प्रारंभ से जलवायु की परिस्थिति को देखकर इस तरह का अनुमान लगाया गया है।

तापमान और बढ़ने की संभावना

वहीं दूसरी तरफ ओडिशा में दिन प्रतिदिन तापमान बढ़ रहा है। कई जिलों में तो दिन का तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। आगे चलकर इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है। खासकर खुर्दा, कटक, अनुगुल, बौद्ध, जाजपुर, केन्दुझर, मयूरभंज, भद्रक, नयागढ़ जिले के लिए इसे ध्यान में रखते हुए सतर्क सूचना जारी की गई है।

दिन के समय घर से बाहर निकलने वाले लोगों को सतर्क रहने के लिए भारतीय मौसम विभाग में सलाह दिया है। केवल इतना ही नहीं यदि बहुत जरूरी ना हो तो दिन के समय लोगों से बाहर ना निकलने की सलाह मौसम विभाग ने दी है।

गुजरात चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के गढ़ भी ध्वस्त, पुत्र व रिश्तेदार भी चुनाव हारे

अहमदाबाद । गुजरात में पंचायत तथा पालिका चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह परास्त हुई साथ ही कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के गढ़ भी ध्वस्त हो गए। कांग्रेस नेताओं के भाई भतीजे तथा पुत्रों की भी इस चुनाव में करारी हार हुई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा के गृह जिले आणंद नेता विपक्ष परेश धनानी के अमरेली में भी कांग्रेस बुरी तरह हारी है।

31 जिला पंचायत में से एक में भी कांग्रेस चुनाव नहीं जीत सकी जबकि 81 नगरपालिका में भी महत्त्व 4 में ही कांग्रेस अपना बोर्ड बना सकी है। कांग्रेस विधायक निरंजन पटेल खुद पेटलाद नगरपालिका में 2 सीट से हार गए तथा उनका पुत्र भी चुनाव हार गया। इसके अलावा डॉक्टर अनिल जोशी आरा, कांग्रेस विधायक का पुत्र अरवल्ली में विधानसभा में उप मुख्य सचेतक अश्विन कोट कोट वालों का पुत्र साबरकांठा में जामनगर से, कांग्रेस विधायक विक्रम मैडम का पुत्र ऊना से, कांग्रेस विधायक पूंजा जी वंश का पुत्र नर्मदा से, कांग्रेस विधायक पीडी वसावा का पुत्र जूनागढ़ से, कांग्रेस विधायक भीखाभाई जोशी की पुत्रवधू विधायक पूनम परमार का भतीजा तथा गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया के भाई पोरबंदर में चुनाव हार गये।

कांग्रेस इस चुनाव में कहीं से भी सत्ताधारी दल भाजपा को चुनौती देती नजर नहीं आई। गुटबाजी अंतरकलह तथा भाई भतीजावाद में उलझी कांग्रेस विधानसभा के उपचुनाव के बाद पंचायत व पालिका चुनाव में भी पूरी तरह जमींदोज हो गई। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल ने चुनाव से पहले ही भाजपा में सांसदों तथा विधायकों के रिश्तेदार भाई भतीजे को टिकट देने से इंकार कर दिया था। पाटिल ने 3 टर्म से पार्षद चुने जा रहे नेताओं को भी इस चुनाव में टिकट देने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक उम्र के नेताओं को टिकट नहीं देने की रणनीति भाजपा को खासी रास आई तथा बड़े पैमाने पर पार्टी के नए ऊर्जावान नेताओं को मौका मिला साथ ही जिला तहसील स्तर पर अड्डा जमाए बैठे कई राजनीतिक परिवारों को भी मनमानी करने का मौका नहीं मिल सका। पाटिल ने प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से ही साफ कर दिया था कि पार्टी में सिर्फ काम करने वालों को ही मौका मिलेगा काम नहीं करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। पाटिल के नेतृत्व में गुजरात में यह तीसरा चुनाव हुआ जिसमें उनकी राजनीतिक कुशलता व प्रबंधन सबके सिर चढ़कर बोल रहा है। विधानसभा उपचुनाव में सभी 8 सीट पर भाजपा को जीत दिलाने के बाद 33 में से 31 जिला पंचायत के चुनाव में भी सभी पर भाजपा को जीत दिलाना पाटिल की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इससे पहले छह महानगरों के चुनाव में भी भाजपा सभी पर पुनः सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही।

आईएएस ऑफिसर बनना चाहती थीं यामी गौतम

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम एक आईएएस ऑफिसर बनना चाहती थीं, लेकिन एक हादसे ने उनकी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया है। जिसको वह कभी भूल नहीं पाती हैं। वह दर्दनाक सड़क दुर्घटना से गुजर चुकी हैं। इस दुर्घटना ने उनकी पूरी जिंदगी और भविष्य को बदलकर रख दिया था। यह बात खुद यामी गौतम ने बताई है। यामी गौतम ने हाल ही में अंग्रेजी वेबसाइट बॉम्बे टाइम्स को इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपने फिल्म करियर के अलावा निजी जिंदगी के बारे में हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। यामी गौतम ने खुलासा किया है कि एक सड़क दुर्घटना में उनकी गर्दन पर लगी चोट ने एक ही पल में उनकी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया। हालांकि इस बारे में यामी गौतम ने पिछले साल अगस्त में भी सोशल मीडिया के जरिए बताया था, लेकिन अब उन्होंने इस चोट के बारे में विस्तार से बात की है। यामी गौतम ने अपने इंटरव्यू में कहा, 'यह एक सुबह की बात है, जब मैं चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी जाने के लिए निकली थी। मैं अपने टू व्हीलर से हाईवे पर थी। मेरे आगे चल रही एक कार ने गलत सिग्नल दिया। ड्राइवर ने दाईं तरफ मुड़ने का सिग्नल दिया था, लेकिन उसने अपनी कार बाईं ओर मोड़ ली थी। मैं टक्कर खाकर गिर पड़ी, जबकि कार ड्राइवर एक पल भी रुके बिना वहां से भाग गया। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'शुक्र है कि मैंने हेल्मेट पहन रखा था। मैं हिल भी नहीं पा रही थी, आसानी से मैं किसी गाड़ी के नीचे आ सकती थी। हालांकि, एक शख्स ने मेरी मदद की और मैं जैसे-तैसे खड़ी हो पाई। यह दुर्घटना सर्दियों के समय में हुई थी। इस मौसम में उत्तर भारत के लोग काफी कपड़े पहना करते हैं। शुक्र है कि मैंने ढेर सारे कपड़े पहन रखे थे, जिसने मुझे बाहरी चोट से बचा लिया था। बाहर से मुझे कोई चोट नहीं लगी, लेकिन मैं इंटरनल इंजरी का शिकार हो चुकी थी।' यामी गौतम ने आगे कहा, 'डॉक्टर ने बताया कि मेरी गर्दन में फ्रैक्चर है। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि मैं कभी लाइफ में वर्कआउट नहीं कर सकूंगी और तब मैं आईएएस ऑफिसर बनने का ख्वाब देख रही थी।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके गर्दन का दर्द अभी भी उन्हें परेशान करता है। उन्होंने कहा, '5 इंच की हील पहन कर इधर-उधर ज्यादा घूम लूं कि तुरंत दर्द बढ़ जाता है।' गौरतलब है कि यामी गौतम ने पिछले साल लॉकडाउन में अपनी गर्दन के दर्द के निजात पाने के लिए काफी योगा भी किया था। उन्होंने योगा करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा कर इस चोट के बारे में भी बताया था। हालांकि, योगा करने से यामी गौतम को काफी फायदा हुआ है। उनका मानना है कि वह अब पहले से काफी बेहतर महसूस करती हैं। आपको बता दें कि यामी गौतम इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। वह जल्द ही भूत पुलिस और दसवीं में नजर आने वाली हैं।

टाइगर श्रॉफ के बर्थडे पर आया हीरोपंती 2 का पोस्टर

टाइगर श्रॉफ आज (2 मार्च) को अपना बर्थडे मना रहे हैं। इस दिन उनकी आगामी फिल्म का पोस्टर और रिलीज डेट आ जाए तो इससे बेहतर तोहफा उनके फैंस के लिए और क्या हो सकता है। टाइगर श्रॉफ ने 'हीरोपंती' के जरिये बॉलीवुड में कदम रखा था। यह फिल्म उनके दिल में खास स्थान रखती है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म हिट रही थी और टाइगर तथा कृति सेनन ने फिल्मों में अपनी जगह और पहचान बना ली। इसी फिल्म का दूसरा भाग आ रहा है जिसका पोस्टर रिलीज हुआ है। फिल्म का नाम है 'हीरोपंती 2'। पोस्टर में सूटेड-बूटेड टाइगर दोनों हाथ में गन लिए ऊंची बिल्डिंगों के बीच कार पर खड़े एक्शन करते नजर आ रहे हैं। उनकी यह अदा फैंस को दीवाना कर रही है। इस फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला है। पोस्टर पर निर्देशक के रूप में अहमद खान और लेखक के रूप में रजत अरोरा का नाम है। साथ में रिलीज डेट है 3 दिसम्बर 2021, खास बात यह है कि यह मूवी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अहान शेट्टी की मूवी 'तड़प' का पोस्टर रिलीज, अक्षय और अजय ने किया वेलकम

साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के साथ डेब्यू करना हर एक्टर का सपना होता है और 'तड़प' अहान शेट्टी के लिए एक बड़ा डेब्यू है। अहान के रूप में एक यंग डायनामिक पर्सनालिटी फिल्म इंडस्ट्री में अपना पहला कदम रखने के लिए तैयार है। अहान को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में भी हलचल है। फिल्म उद्योग के दो दिग्गज अक्षय कुमार और अजय देवगन जो इससे पहले साजिद नाडियाडवाला के साथ सहयोग कर चुके है, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर नई एंट्री का स्वागत किया है। फिल्म का पोस्टर बेहद प्रॉमिसिंग लग रहा है। इस फ़िल्म में अहान शेट्टी के अपोजिट खूबसूरत तारा सुतारिया नज़र आएंगी, जिन्होंने दो साल पहले शोबिज़ में एंट्री ली थी और कुछ ही समय में अपने समकालीनों के बीच खुद के लिए जगह बना ली। अहान शेट्टी और तारा सुतारिया की एक नई जोड़ी के साथ एक प्रेम कहानी सबसे रोमांचक तरीके से सुलझने का इंतज़ार कर रही है जो दर्शकों के लिए एक ट्रीट होगी। साजिद नाडियाडवाला के साथ अहान शेट्टी की शुरुआत विरासत को आगे बढ़ाने जैसा है क्योंकि सुनील शेट्टी को भी निर्माता द्वारा लॉन्च किया गया था और वह फिर से अपना योगदान देते हुए धन्य और उत्साहित महसूस करत रहे हैं। अहान के पहले लुक ने दर्शकों के बीच उत्साह की एक विशाल लहर पैदा कर दी है और सिल्वर स्क्रीन पर एक नए चेहरे को देखना दर्शकों के लिए टेस्टिंग टाइम होगा। फिल्म मिलन लथुरिया द्वारा निर्देशित है, जिसमें अहान शेट्टी, तारा सुतारिया, सौरभ शुक्ला, कुमुद मिश्रा और सुमित गुलाटी नज़र आएंगे। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं और फॉक्स स्टार स्टूडियोज द्वारा सह-निर्मित है जो रजत अरोड़ा द्वारा लिखित है और फिल्म में म्यूजिक प्रीतम द्वारा दिया गया है। 'तड़प' 24 सितम्बर 2021 को रिलीज होगी।

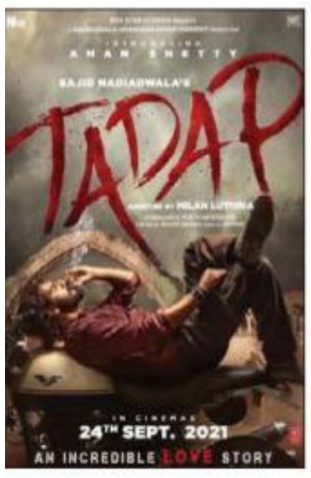

शो की लाइन बोलते हुए चीखने लगे कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म धमाका का टीज़र रिलीज़ हो गया है। यह एक समाचार चैनल के कामकाज में एक झलक पेश कर रहा है। राम माधवानी द्वारा निर्देशित फिल्म में कार्तिक ने एक प्राइम टाइम न्यूज एंकर की भूमिका निभाई है। टीजर में एक सिचुएशन को दिखाया गया है जिसमें एक शो के लिए कार्तिक आर्यन को संघर्ष करते देखा गया है। किसी खबर को सुनने के बाद कार्तिक आर्यन काफी ज्यादा परेशान हो गये हैं। वह इस शो को करने की हालत में नहीं है लेकिन शो की टीम उन्हें लगातार पुश कर रही है शो करने के लिए। कैमरा हैडल करने वाली महिला कार्तिक आर्यन को कहती है कि ये शो तुमने शो शुरू किया है तुम्ही खत्म करो, जिसके बाद कार्तिक थोड़ा नॉर्मल होते हुए नजर आते हैं। टीजर को देखकर आप समझ सकते हो कि एंकर कार्तिक को अपने भविष्य के कैरियर और उसमें मानवतावादी के बीच चयन करना होगा। धमाका जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होने वाली है।

टीजर में क्या दिखाया

धमाका के टीज़र में, अर्जुन पाठक (कार्तिक आर्यन) अपनी अंतरात्मा से लड़ते हुए दिखाई दे रहे है क्योंकि वह एक बहुत भयानक स्थिति में फंस जाते है। उन्हें अपने करियर और उसमें मानवतावादी के बीच चयन करना होगा। अर्जुन अपनी लाइनों के साथ संघर्ष कर रहा है और चालक दल को कैमरे बंद करने के लिए कह रहा है। तब अमृता सुभाष उसे अपना काम करने के लिए प्रेरित करती है और उसे बताती है कि इस शो को चलना चाहिए। यह कहने के बाद कि वह ऐसा नहीं कर सकता, अर्जुन ने अंततः अपनी नौकरी फिर से शुरू कर दी और अपनी पंक्तियाँ कह दीं।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया टीजर

धमाका का टीज़र शेयर करने के लिए कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम का सहारा लिया। टीज़र को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं हूं अर्जुन पाठक, मैं जो कुछ कहूंगा सच कहूंगा। धमाका जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। साथ ही कार्तिक ने टीजर का वीडियो भी शेयर किया है।

फिल्म के बारे में जानकारी

धमाका एक न्यूज़ चैनल के काम पर आधारित फिल्म है। कार्तिक आर्यन एक प्राइम टाइम न्यूज़ एंकर की भूमिका में नज़र आएंगे। फिल्म को रिकॉर्ड 10 दिनों में कोरोनावायरस महामारी के दौरान मुंबई में शूट किया गया है। फिल्म की शूटिंग से पहले फिल्म के चालक दल ने अपना कोरोना टेस्ट करवाया था जिसके बाद यह सभी 14 दिन के लिए एक होटल में क्वारंटाइन हुए थे। 14 दिन बाद पूरी टीम ने फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। धमाका का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला की आरएसवीपी और राम माधवानी फिल्म्स (सह-निर्माता अमिता माधवानी के साथ) द्वारा किया गया है। पिछले साल कार्तिक आर्यन के जन्मदिन के अवसर पर 22 नवंबर को फिल्म की घोषणा की गई थी।

'राधेश्याम' में प्रभास के लवरबॉय अवतार को देख लड़कियां हुईं दीवानी

फिल्म 'राधेश्याम' में प्रभास को अपने दशक पुराने लवरबॉय अवतार में लौटते देखा जा सकता है। बहुत सारी एक्शन फिल्में करने के बाद वह एक दशक के बाद रोमांटिक रूप में लौट रहे हैं। राधेश्याम में इस लवरबॉय रूप में वापसी से उनके फैंस खासकर लड़कियों पर दीवानापन छा गया है। सोशल मीडिया पर प्रभास की प्रशंसक लड़कियां उनके प्यार में पागल हो रही हैं। राधेश्याम, जो 30 जुलाई 2021 को रिलीज़ के लिए तैयार है, हाल ही में फिल्म का टीज़र सामने लाया है और तब से लड़कियों को प्रभास के अवतार से मन नहीं भर पाया है। सोशल मीडिया 'मेरी जान', 'लव यू', '30 जुलाई का इंतजार है' और इस तरह की अन्य टिप्पणियों से भर के बह रहा है। प्रभास का स्टारडम ऐसे ट्रीटमेंट के लिए नया नहीं है क्योंकि पोस्टर 1 और 2 रिलीज होने पर उनके महिला प्रशंसकों से इसी तरह की प्रतिक्रियाएं आयी थीं। एक पोस्टर में वह अपने पुरानेवाले लवरबॉय के अवतार में और दूसरे में बिलकुल चॉकलेट बॉय लग रहे थे। पिछले दशक में हम ने प्रभास को एक्शन मूवी में देखा है और उनकी फिल्मों के साथ उनके फैंस के प्यार और समर्थन की वजह से वह नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। अभिनेता अब एक व्यस्त व्यक्ति है क्योंकि बहुत सारे फिल्म निर्माता उनके साथ काम करना चाहते हैं। पिछले हफ्ते उनकी फिल्म सालार को रिलीज़ डेट की घोषणा कर दी गई थी और उनके प्रशंसकों से ढेरों क्रेज़ी प्रतिक्रियाँए प्राप्त हुई थी। प्रभास के पास वर्तमान में 4 पैन-इंडिया फिल्में हैं और उन्होंने अपना लॉकडाउन परियोजनाओं को पढ़ने और साइन करने में खर्च किया था। आदिपुरुष, राधेश्याम, सलार और दीपिका पादुकोण के साथ अनटाइटल्ड, सभी फिल्में पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है। वह अपनी आगामी परियोजनाएं जैसे कि पौराणिक कथाओं, रोमांटिक ड्रामा, साय-फाई और सालार की अनरीविल्ड शैली के साथ विभिन्न शैली की फिल्मों में अभिनय करेंगे।

भारत-इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट मैच आज से

शृंखला जीतकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने उतरेगा भारत

अहमदाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया गुरुवार से मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में सीरीज पर कब्जा कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने उतरेगी। भारत को चेन्नई में खेले गए पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि उसने दूसरे और तीसरे टेस्ट में जीत हासिल कर सीरीज पर 2-1 से बढ़त बनाई थी।

भारत अगर यह मुकाबला जीत जाता है या इसे ड्रॉ कराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम करता है तो वह डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंच जाएगा जहां उसका सामना जून में न्यूजीलैंड की टीम से होगा जो पहले ही खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर चुकी है।

कोहली के कप्तानी वाली टीम इंडिया ड्रॉ के लिए नहीं जानी जाती है। यह टीम जीत के लिए उतरती है और ड्रॉ इस टीम का आखिरी विकल्प है। यह बात हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में हुए चौथे टेस्ट में साबित हुई थी जहां टीम इंडिया ने ड्रॉ की ओर जा रहे मैच को जीत में बदल दिया था।

टीम इंडिया के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि चौथे टेस्ट में पिच दूसरे और तीसरे टेस्ट के समान ही रह सकती है। हालांकि, अगर इंग्लैंड इस पिच पर अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहता है तो यह भारत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अगर इंग्लैंड पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा स्कोर करता है तो भारत को दूसरी पारी में दिक्कत हो सकती है। इस बीच जब भारतीय कप्तान कोहली से पूछा गया कि क्या पिच भारत की मदद करेगी। इस पर उन्होंने कहा, नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता।

कोहली ने साथ ही कहा कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं, क्योंकि टीम ज्यादा से ज्यादा टेस्ट मैच जीतना चाहती है और इसके बारे में सोचने से ध्यान भटकता है। तीसरे टेस्ट में जिस तरह बल्लेबाजी पूरी तरह विफल रही थी उसे देखते हुए बल्लेबाजी तकनीक पर सुधार की जरूरत है। हालांकि यह मुकाबला गुलाबी गेंद से खेला गया था जो स्पिन कर रही थी। इंग्लैंड के बल्लेबाज और रहाणे ने स्वीकार किया था कि ऐसी पिचों पर लाल गेंद से खेलना ज्यादा आसान होता है। बल्लेबाजों को थोड़ी सुधार की जरूरत है। उन्हें सीधा खेलने पर ध्यान देना होगा। ऐसा ही कुछ दिनों पहले भारत के पूर्व बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर और अंशुमान गायकवाड़ ने कहा था।

चार टेस्ट मैचों की शृंखला में 2-1 से आगे हैं टीम इंडिया

हमारी टीम शृंखला को 2-2 से ड्रॉ करवाने में कामयाब होती है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी: जोए रूट

संभावित टीमें

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुदर, ईशांत शर्मा और उमेश यादव

इंग्लैंड : डॉमिनिक सिब्ले, जैक क्रावली, जॉनी बेयरस्टो, जोए रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, बेन फोक्स (विकेटकीपर), डॉम बेस, जैक लीच, जोफ्रा आर्चर और जेम्स एंडरसन

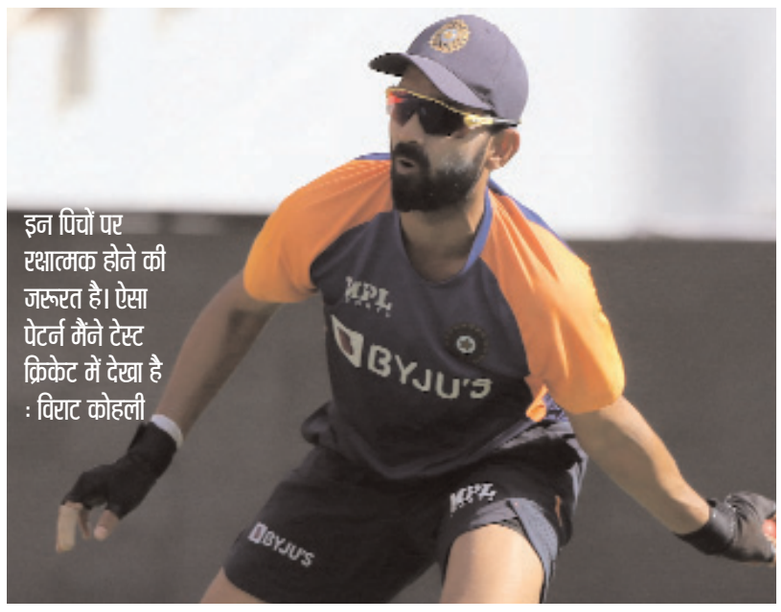

चौथे टेस्ट के लिए एकादश में शामिल हो सकते हैं उमेश यादव

अहमदाबाद। तेज गेंदबाद उमेश यादव इंग्लैंड के खिलाफ यहां मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुरुवार से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में शामिल किए जा सकते हैं। 33 वर्षीय जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि फिट होने के बाद उन्हें तीसरे और चौथे टेस्ट के लिए टीम में लिया गया था। चौथे टेस्ट से पहले जसप्रीत बुमराह के निजी कारणों के चलते टीम में शामिल नहीं होने के फैसले के बाद ऐसी संभावना है कि उमेश यादव को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। भारत के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने मंगलवार को बताया कि उमेश अच्छी लय में हैं। रहाणे ने कहा, उमेश खेलने के लिए तैयार हैं और वह इसके फिट हैं। उन्होंने नेट्स पर अच्छा सत्र बिताया है। खुशी है कि उनकी टीम में वापसी हुई है। उमेश के पास रिवर्स स्विंग कराने की कला है जो टीम के काम आ सकती है। हालांकि तीसरे टेस्ट की तरह इस मैच में भी स्पिन गेंदबाजों को मदद करने वाली पिच होने की संभावना है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि एकादश कैसा रहेगा। उमेश के अलावा टीम के अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी एकादश में शामिल होने की दौड़ में हैं। सिराज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतारा गया था। उमेश का हालांकि घरेलू जमीन पर अच्छा रिकॉर्ड रहा है और एकादश में जगह बनाने के लिए वह प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

भारतीय पुरुष टीम ने जर्मनी के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला

क्रेफेल्ड (जर्मनी), 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने चार मैचों के यूरोप दौरे के दूसरे मैच में जर्मनी के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। भारत ने जर्मनी को पहले मुकाबले में 6-1 से हराया था। लेकिन यह मैच बराबरी पर समाप्त हुआ। भारत को चौथे मिनट में ही पेनल्टी कार्नर मिला और डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने बेहतरीन शॉट खेल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके दो मिनट बाद ही जर्मनी ने भी वापसी की कोशिश की और गोल करने का मौका गंवा दिया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी आक्रामक प्रदर्शन जारी रखा और बढ़त हासिल करने के लिए मौके बनाए। हालांकि वह गोल में परिवर्तित करने में सफल नहीं हो सका। जर्मनी को लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल हुए और दूसरी बार में मार्टिन हेनर ने हॉफ टाइम से कुछ समय पहले गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों की ओर से बढ़त हासिल करने

हॉकी

की कोशिश की गई लेकिन भारत और जर्मनी की टीमें गोल नहीं कर सकीं। अंतिम क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने मौके भुनाने की कोशिश की लेकिन निर्धारित समय तक दोनों टीमों की ओर से कोई और गोल नहीं होने के कारण मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम का अगला मुकाबला शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन से होगा।

ब्यूनस आयर्स के अंतिम-16 में पहुंचे नागल

ब्यूनस आयर्स, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए एटीपी ब्यूनस आयर्स के मुख्य ड्रॉ के अपने पहले मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए राउंड-16 में प्रवेश कर लिया। राउंड-16 में अब नागल का सामना दूसरी सीड चिली के क्रिस्टियन गेरिन से होगा। नागल ने मुख्य ड्रॉ के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-100 पुर्तगाल के जोआओ सौसा को मात दी। नागल की एटीपी टूर इवेंट के मुख्य ड्रॉ में यह पहली जीत है। उन्होंने मुख्य ड्रॉ के पहले राउंड में सौसा को 6-0, 6-0 से हराया।

श्रीकांत स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत के किदांबी श्रीकांत ने विजयी शुरुआत करते हुए यहां जारी स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बुधवार को अपनी जगह बना ली।

चौथी सीड श्रीकांत ने अपने पहले दौर के मुकाबले में हवमतन समीर वर्मा को 18-21, 21-18, 21-11 से मात दी। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत ने यह मुकाबला एक घंटे और एक मिनट में जीता। दूसरे दौर में अब श्रीकांत का सामना फ्रांस के थॉमस रक्सेल से होगा, जिन्होंने अपने दौर के मैच में कनाडा के जियाडोंग शेंग को 21-18, 21-14 से

बैडमिंटन

पराजित किया। हालांकि एचएस प्रणॉय को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। नीदरलैंड्स के मार्क केलजोउ ने प्रणॉय को एक घंटे और दो मिनट तक चले मुकाबले में 21-19 9-21 21-17 से शिकस्त दी।

संक्षिप्त समाचार

टोक्यो ओलम्पिक में विदेशी दर्शकों पर प्रतिबंध लगा सकता है जापान

टोक्यो। कोरोना के कारण एक साल के लिए स्थगित हो चुके टोक्यो ओलम्पिक इस बार विदेशी दर्शकों के बिना हो सकते हैं। स्थगित हुए टोक्यो ओलम्पिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होना है। जापान सरकार विदेशी दर्शकों को ओलम्पिक से आने से रोकने पर विचार कर रही है एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि जापान सरकार का मानना है कि विदेशी दर्शक कोरोना फैला सकते हैं। हालांकि अभी काफी जापानी तो कोरोना काल में ओलम्पिक खेलों का आयोजन करने के ही विरोध में हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकार इस बात पर विचार करना जारी रखेगी कि विदेशी दर्शकों को जापान में प्रवेश की मंजूरी दी जाए या नहीं और स्टालों पर दर्शकों की संख्या कितनी हो।

बैडमिंटन : सौरभ वर्मा स्विस ओपन के अगले दौर में पहुंचे

बासेल। भारत के सौरभ वर्मा ने अपनी विजयी शुरुआत करते हुए यहां जारी स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बुधवार को जगह बना ली। विश्व रैंकिंग में 32वें नंबर के खिलाड़ी सौरभ ने अपने पहले दौर के मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-131 स्विटजरलैंड के क्रिस्टियन क्रिचमेयर को हराया। सौरभ ने 43 मिनट तक चले मुकाबले में क्रिस्टियन को 21-19, 21-18 से पराजित किया। दूसरे दौर में सौरभ का सामना आठवीं सीड थाईलैंड के कुनलावुत विदर्तसन से होगा, जिन्होंने अपने पहले दौर के मुकाबले में ब्राजील के यगोर कोएल्के को 33 मिनट में 14-21, 10-21 से मात दी। को 18-21, 21-18, 21-11 से मात दी। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत ने यह मुकाबला एक घंटे और एक मिनट में जीता। इससे पहले, किदांबी श्रीकांत ने विजयी शुरुआत करते दूसरे दौर में अपनी जगह बना ली।

सिर में चोट लगने के चलते पहलवान सोनम वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक को हराकर सुर्खियों में आईं हरियाणा की युवा पहलवान सोनम मलिक सिर में चोट लगने के कारण आगामी वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज (डब्ल्यूआरएस) से बाहर हो गई हैं। सोनम के निजी कोच अजमेर सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी। अजमेर ने कहा कि सोनम गुरुवार से शुरू होने वाली डब्ल्यूआरएस के लिए नेशनल कैम्प में तैयारी कर रही थी, जहां पिछले सप्ताह साक्षी मलिक के साथ ट्रेनिंग के दौरान वह चोटिल हो गईं और उनके सिर में चोट लग गई। उनके सिर में अब चार से पांच टांके भी लगे हैं। अजमेर ने कहा, चूंकि सोनम के सिर में अभी भी दर्द हो रहा था, इसलिए उनके माता-पिता ने उन्हें रैंकिंग सीरीज के लिए नहीं भेजने का फैसला किया है।

जुवेंतस ने स्पेजिया को 3-0 से दी शिकस्त

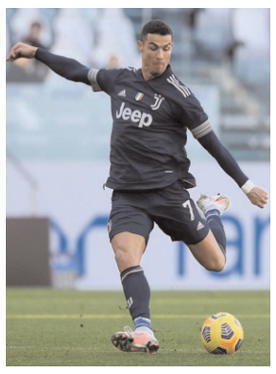

रोम, 3 मार्च (एजेंसियां)। जुवेंतस ने सेरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट मुकाबले में स्पेजिया को 3-0 से हरा दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जुवेंतस के क्रिस्टियानो रोनाल्डो का यह 600वां लीग मैच था, जिसमें गोल कर उन्होंने टीम की जीत में अपना योगदान दिया।

जुवेंतस और स्पेजिया की ओर से पहले हाफ तक कोई गोल नहीं हो सका और पहला हाफ गोल रहित समाप्त हुआ।

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने की तमाम कोशिशें की और जुवेंतस की ओर से अलवारो मोराता ने 62वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिला दी।

मोरात के गोल करने के कुछ मिनटों बाद ही फेडेरिको चेइसा ने गोल किया और स्कोर 2-0 कर दिया।

मनीषा ने किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत की महिला निशानेबाज मनीषा कीर ने मिस्र के काहिरा में जारी आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के महिला ट्रैप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के ट्रैप स्पर्धा में सातवां स्थान हासिल किया। मनीषा ने क्वालीफाइंग राउंड में 113 का जबकि फाइनल राउंड में 21 का स्कोर किया। पहले चार में 25 में से 23 शूटिंग करने के बाद वह पांचवें और आखिरी दौर में दूसरे स्थान पर रहीं। शूट-ऑफ में अपना पहला शॉट मिस करने के कारण मनीषा फाइनल में प्रवेश

शॉटगन विश्व कप

करने से चूक गईं। टॉप छह निशानेबाज 60 शॉट के फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई करेंगे। वहीं, कीर्ति गुप्ता 102 के स्कोर के साथ महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में 17वें, जबकि राजेश्वरी कुमारी 99 के स्कोर के साथ 18वें स्थान पर रहीं। तीनों महिलाओं के सामूहिक प्रयास की बदौलत महिलाओं की ट्रैप टीम प्रतियोगिता में अच्छी स्थिति में है, जहां भारतीय टीम 314 के संयुक्त स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर है। पुरुष वर्ग में, पृथ्वीराज टोंडिमन ने 112 के स्कोर के साथ 26वां स्थान हासिल किया। उनके अलावा लक्ष्य श्योराण 110 के स्कोर के साथ 34वें स्थान पर रहे, जबकि ओलंपियन कायनन चेनाई 109 के स्कोर के साथ 36वें स्थान पर रहे।

बोपन्ना और कुरैशी सात साल बाद आए साथ

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत के टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और पाकिस्तान के आइसम उल-हक कुरैशी सात वर्षों के लंबे अंतराल के बाद मेक्सिको ओपन के लिए जोड़ीदार के रुप में साथ आए हैं। बोपन्ना और कुरैशी की युगल जोड़ी को 'इंडो-पाक एक्सप्रेस' का नाम दिया गया था। इन दोनों की जोड़ी मेक्सिको ओपन के युगल दौर में खेलेंगी। एटीपी 500 टूर्नामेंट की शुरुआत 15 मार्च से होगी। बोपन्ना और कुरैशी की जोड़ी वर्षों तक साथ रही और इन्होंने साथ में पांच खिताब जीते।

टेनिस

इनकी जोड़ी 2010 विंबलडन के क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी और यूएस ओपन की उपविजेता रही थी।

बोपन्ना और कुरैशी की जोड़ी ने 2011 में पेरिस मास्टर्स जीतने के बाद शीर्ष 10 में जगह बनाई थी।

इन दोनों की जोड़ी अंतिम बार शेनझेन में सितंबर 2014 में साथ खेली थी। बोपन्ना फिलहाल युगल रैंकिंग में 40वें जबकि कुरैशी 49वें स्थान पर है।

वॉन ने मजेदार फोटो के साथ मोटेरा की पिच को लेकर कसा तंज

अहमदाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत और इंग्लैंड के बीच मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए तीसरे टेस्ट मैच में स्पिन गेंदबाजों की मददगार पिच को लेकर तंज कसा है। वॉन ने अपनी एक फोटो शेयर की जिसमें वह एक खुदे हुए जमीन पर बल्ला लेकर खड़े हैं। उन्होंने फोटो के कैप्शन पर लिखा, चौथे टेस्ट के लिए तैयारियां अच्छी चल रही है। वॉन ने इससे पहले भी पाकिस्तान के ग्वादर स्टेडियम की तस्वीर पोस्ट कर तंज कसा था। वॉन ने भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे और तीसरे टेस्ट की पिच की आलोचना की थी। उनकी दूसरे टेस्ट के दौरान वातावरण और पिच को लेकर ऑस्ट्रेलिया के स्पिन गेंदबाज शेन वार्न से बहस हुई थी। भारत ने दूसरा और तीसरा मुकाबला जीता था। भारत चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाए हुए है और दोनों टीमों के बीच गुरुवार से यहां चौथा टेस्ट होना है।

क्रिकेट

'दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में संघर्ष करते नजर आए बल्लेबाज'

टर्निंग पिचों पर टर्न के लिए नहीं खेलें : गायकवाड

अहमदाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंशुमान गायकवाड़ को उनकी धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ बल्लेबाजी करने के लिए उनके खेल के दिनों के समय एक 'दीवार' माना जाता था, चाहे वह जमैका के सबीना पार्क में वेस्टइंडीज की तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना हो या फिर जालंधर की पिचों पर पाकिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजी करनी हो, जहां की पिचें बल्लेबाजों के लिए बेहद खतरनाक मानी जाती थी। गायकवाड ने मौजूदा टेस्ट सीरीज के दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच पर बात करते हुए कहा कि बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए।

गायकवाड ने अहमदाबाद के मोटेरा की पिच पर खेलने के तरीकों को लेकर कहा, कभी भी ऐसी टर्न लेने वाली विकेट पर टर्न के लिए मत खेलो। एक अच्छी विकेट पर, आप एक लाइन चुन सकते हैं और अपना बल्ला वहां रख सकते हैं, गेंद आएगी और सीधे आपके बल्ले से टकराएगी। लेकिन यहां, जब आप सुनिश्चित नहीं होते हैं कि गेंद सीधी आएगी या टर्न लेगी, तो सीधी गेंद के लिए खेलना हमेशा अच्छा होता है क्योंकि अगर यह टर्न भी लेता है, तो ज्यादा संभावना बीट होने की होती है। लेकिन अगर आप टर्न के लिए खेलते हैं, तो आप बल्ले और पैड के बीच एक बड़ा गैप छोड़ रहे हैं। इसके अलावा, आप बल्ले को गेंद की ओर नहीं बढ़ाते हैं। इसे पैड के पास रखें। इसे अपने शरीर से दूर मत करो। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप मुसीबत में फंस जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या आपको लगता है कि मोटेरा

'एक अच्छी विकेट पर, आप एक लाइन चुन सकते हैं और अपना बल्ला वहां रख सकते हैं'

में तीसरे टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी खराब रही? इस पर उन्होंने कहा, दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने बेहद खराब बल्लेबाजी की। मेरे हिसाब से जो भी बाहर निकले, उन्होंने खुद को आउट किया। वो विकेट लेने वाली गेंदें नहीं थीं। वे खराब शॉट खेलकर आउट हुए। आखिरी (तीसरे) टेस्ट मैच में, अगर आप देखें, तो 30 विकेटों में से 21-22 विकेटें सीधी गेंदों पर गिरी। आपने सभी शीर्ष बल्लेबाजों को स्ट्रेचिंग करते देखा लेकिन पूरी तरह से नहीं। एक टर्निंग ट्रैक पर, आपको पूरी तरह से खिंचाव करना होगा क्योंकि इस तरह से आप स्पिन पर हावी हो सकते हैं। यदि आप गेंद के करीब पहुंचते हैं, तो आप उसे टर्न नहीं होने देते। लाइन को चुनना बहुत महत्वपूर्ण है। गायकवाड ने तीसरे टेस्ट के दौरान पिच को लेकर अपनी राय देते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि यह खराब विकेट थी। सिर्फ इसलिए कि गेंद टर्न लेती है, इसका मतलब यह नहीं है कि यह खराब विकेट है। लेकिन मुझे लगा कि दूसरे टेस्ट के लिए पिच तीसरे टेस्ट से ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। आप उड़ती हुई धूल देख सकते थे। वहां भी अश्विन और रोहित ने शतक बनाए।